वर्षः 7- अंकः 207, मुंबई, शनिवार, 14 अक्टूबर, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त TM

अब हर सच होगा उजागर

खुशखबरी

मुंबई हलचल न्यूज

आपका दैनिक मुंबई हलचल अब प्रिंट मीडिया के साथ-साथ विश्वस्तरीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में भी छा गया है। इसे यूट्यूब पर भी देखा जा सकता है। हमें उम्मीद है कि आपका साथ मुंबई हलचल न्यूज चैनल को मिलता रहेगा। हमारे इस प्रयास में आपका सबका साथ हमारे लिए प्रेरणादायक साबित हुआ है। हमारा विश्वास हैं कि हमारे इस न्यूज चैनल के जरिए आप हमसे जुड़े रहेंगे और समाज व देश के विकास में अपना यथोचित सहयोग देते रहेंगे।

- दिलशाद एस. खान

यह कैसा मजाक

यूपी में बच्चों की शव यात्रा

राज बब्बर के निशाने पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

योगी असफल मुख्यमंत्री

गुजरात में गौरव यात्रा

नई दिल्ली। राज बब्बर ने कहा कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुजरात में बीजेपी की गौरव यात्रा में आए हैं। वह पूरी तरह से असफल मुख्यमंत्री है। गोरखपुर में बच्चे लापरवाही की वजह से मर रहे हैं। यूपीए सरकार ने 150 करोड़ रुपये देकर अस्पताल में अपग्रेड करने का काम किया। गुजरात में कौन सा गौरव दिखाने आए हैं। बनारस विश्वविद्यालय में लड़कियों को पुलिस से पिटवाया गया है। लड़कियों की सिर्फ ये मांग थी कि उन्हें लड़के छेड़ते हैं। सरकार ने पुलिस के बल पर लड़कियों की आवाज दबाने का काम किया है। राजब्बर ने कहा कि मोदी जब से सरकार आई है चंद लोग मजबूत होने का काम किया है। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

कांग्रेस का बीजेपी पर आरोप

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के साथ गुजरात चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं करने को लेकर भी कांग्रेस और भाजपा के बीच सियासी घमासान छिड़ गया है। कांग्रेस ने जहां आरोप लगाया है कि गुजरात में हार तय देख चुनाव आयोग पर भाजपा ने अनुचित दबाव डाला है। ताकि अंतिम क्षणों में रेवड़ियां बांट कर हालात बदले जा सकें। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

मेहर के खिलाफ उठी आवाज

मोदी तक जाएगी यह फरियाद

मुंबई। दैनिक मुंबई हलचल में प्रकाशित खबर कितनी सस्ती हैं मुस्लिम लड़कियां ने मुंबई सहित देश के कई हलकों में हलचल मचा दी है। लोगों की तरह तरह की प्रतिक्रियाएं सुनने एवं देखने को मिल रही हैं। इनमें ज्यादातर इस खबर के समर्थन में हैं तो कुछ ने इसकी आलोचना भी की है। बहरहाल इस खबर के जरिए मुस्लिम लड़कियों को हक में एक और आवाज बुलंद होने जा रही है। जिसका ताल्लुक निकाह के वक्त मेहर की प्रथा से है। जिसकी आड़ में मुस्लिम लड़कियों का शोषण और दोहन किया जा रहा है। इस खबर से प्रभावित होकर नारी उत्थान में लगी कई गैर सरकारी संस्था मुंबई हलचल के संपादक और समाजसेवी दिलशाद एस खान के निरंतर संपर्क में हैं। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

मुस्लिम बच्चियों के लिए दिवाली गिफ्ट

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

घर में घुसे बदमाश से अकेले भिड़ी महिला, करवाया गिरफ्तार

मुंबई। महिला को अकेला जानकर घर में घुसे युवक को ऐसा करना महंगा पड़ गया। 30 साल की इस बहादुर महिला ने चाकू से लैस युवक से करीब 15 मिनट तक उतनी देर तक लोहा लिया, जब तक उसके पड़ोसी नहीं जग गए। गुरुवार रात जब युवक महिला के घर में घुसा तो वह अपने आठ साल के बेटे के साथ घर में थी। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसकी पहचान मीरा रोड के रहने वाले रसूल खान (25) के रूप में हुई है। खान वसंत नगरी की गुलमोहर सोसायटी की दूसरी मंजिल पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के के वसाई शहर अध्यक्ष बिजेंद्रकुमार के घर में जबरदस्ती घुसा, तो वह घर पर नहीं थे। आरोपी ने घर पर मौजूद उनकी पत्नी पूजा और आठ साल के

बेटे कुश को चाकू दिखाकर धमकाने और नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। पूजा ने बताया कि करीब 7 बजे किसी ने डोरबेल बजाई और 'शिंदे' के बारे में पूछा। दरवाजा खोलने गए कुश ने उससे कहा कि यहां शिंदे नाम का कोई नहीं रहता और दरवाजा बंद कर लिया। थोड़ी देर बार फिर से दरवाजे पर दस्तक हुई।

इस बार जब कुश ने दरवाजा खोला तो वह (आरोपी रसूल खान) उसे धक्का देकर अंदर घुस आया और पूजा का मुंह दबाकर उसके गले पर चाकू रख दिया। पूजा ने हार नहीं मानी और उसकी उंगली पर काट लिया। पूजा ने दरवाजे के पीछे रखी हॉकी स्टिक से उसपर वार भी किया। आरोपी ने पूजा को दूसरे कमरे में खींचने की कोशिश की लेकिन वह आरोपी को एक कमरे में लॉक करने में कामयाब रही। तब तक पड़ोसी भी शोर सुनकर उसकी मदद के लिए आ गए। पुलिस ने वहां पहुंचकर आरोपी को हिरासत में लिया और उसपर हत्या के प्रयास और घर में घुसने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि युवक का मकसद लूटपाट नहीं बल्कि परिवार को नुकसान पहुंचाना था। सीसीटीवी फुटेज में भी युवक दूसरी मंजिल पर जाता दिख रहा है।

विधायकों से मदद की गुहार

मुंबई। किसानों से बिजली का बकाया वसूलने के लिए महाराष्ट्र की फडणवीस सरकार ने सभी राजनीतिक दलों के विधायकों से मदद मांगी है। सरकार ने विधायकों के कहा है कि वे किसानों पर बकाया बिजली बिल की रकम वसूलने में मदद करें। विधायकों की मदद से जो अतिरिक्त रकम वसूल होगी सरकार उस रकम को विधायक के मतदान क्षेत्र में खर्च करेगी। इससे उस विधायक के मतदान क्षेत्र की बिजली सेवाओं में सुधार होगा। दरअसल, राज्य के किसानों पर करीब 22,000 करोड़ रुपये बिजली का बकाया है जिसे सरकार वसूल करने में अब तक असफल रही है। महाराष्ट्र राज्य विद्युत मंडल के निदेशक विश्वास पाठक कहते हैं कि किसानों से बिजली का बिल वसूलने के मामले में पिछली सरकार ने बहुत ज्यादा लापरवाही की जिससे यह रकम बढ़कर 22,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। अब किसानों से जबरदस्ती बिल तो वसूलन नहीं सकते। बिल का भुगतान प्राप्त करने के लिए बिजली कंपनियां ने कई सारी स्कीम शुरू की हैं जिसे कुछ हद तक किसानों ने प्रतिसाद भी दिया है। उर्जा मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने विधायकों के सामने एक नया पर्याय दिया कि वे किसानों से बकाया बिल वसूल करने में बिजली कंपनियों की मदद करें। जो विधायक बकाया वसूल करने में मदद करेगा उस विधायक को उसका फायदा मिलेगा। पाठक ने उदाहरण देते हुए कहा कि मान लीजिए किसी विधायक के मतदान क्षेत्र में 100 रुपये की औसतन बिजली के बिल की वसूली हो रही है और विधायक की मदद के बाद वहां 120 रुपये की वसूली होने लगी। यानी वहां 20 रुपये अतिरिक्त वसूल किया गया।

घोटाले के पैसे से बीजेपी ने लड़ा नांदेड़ चुनाव: एनसीपी

मुंबई। एनसीपी प्रवक्ता नवाब मलिक ने बीजेपी पर सनसनीखेज आरोप लगाया कि नांदेड़ का चुनाव लड़ने के लिए महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) के उपाध्यक्ष पद से हटाए गए आइएएस अधिकारी राधेश्याम मोपलवार ने 300 करोड़ रुपये खर्च किए। मोपलवार ने अपने ऊपर लगे आरोप में क्लीन चिट पाने के लिए ऐसा किया है। मलिक ने आरोप लगाया कि मोपलवार ने समृद्धि महामार्ग में हजारों करोड़ रुपये का घोटाला किया है। एनसीपी प्रवक्ता ने कहा कि नांदेड़ मनपा चुनाव में शिवसेना के विधायक प्रतापराव चिखलीकर ने बीजेपी के लिए काम किया। चिखलीकर के बहन की शादी पूर्व अधिकारी श्यामसुंदर शिंदे से हुई है। शिंदे की लड़की की शादी आईपीएस अधिकारी प्रवीण पडवल से हुई है। यानी ये सभी रिश्ते में एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। मोपलवार और शिंदे मूलतः नांदेड के ही निवासी है।

मलिक ने बताया कि समृद्धि महामार्ग के घोटालेबाज मोपलवार की जांच के लिए जिस समिति का

गठन किया गया। उस समिति में आईपीएस अधिकारी पडवल बतौर एक सदस्य के रूप में शामिल हैं, लेकिन हकीकत यह है कि पडवल को सरकार ने जांच समिति से पहले ही बाहर कर दिया है। मलिक ने आरोप लगाया कि क्लीन चिट पाने की कीमत मोपलवार ने 300 करोड़ रुपये खर्च करके चुकाई है।

शिक्षा मंत्री के खिलाफ आंदोलन

मुंबई विश्वविद्यालय के परीक्षा परिणाम समय पर नहीं घोषित होने और विद्यार्थियों की अन्य समस्याओं को लेकर एनसीपी की छात्र इकाई ने शिक्षा मंत्री विनोद तावड़े खिलाफ आंदोलन छेड़ने का ऐलान किया है।

हीरा व्यापारी के बेटे के कातिल को उम्रकैद

मुंबई। मुंबई के जिला एवं सत्र न्यायालय ने एक हीरा व्यापारी के 13 वर्षीय बेटे आदित्य रांका की हत्या के लिए दोषी ठहराए गए विजेश संघवी (33) को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। विशेष सरकारी वकील कल्पना चव्हाण ने संघवी के लिए फांसी की सजा की मांग की थी। न्यायालय ने संघवी पर इस अपराध के लिए 9 लाख रुपये का आर्थिक दंड भी लगाया है, जो आदित्य की मां को दिया जाएगा। दिल दहला देने वाला यह हत्याकांड 2013 में हुआ था। पुलिस के अनुसार, हत्या से पहले विजेश और आदित्य के चचेरे भाई हिमांशु रांका (32) ने आदित्य के पिता जितेंद्र से 30 लाख रुपये की फिरौती की मांग की थी।

ये दोनों आईपीएल की सट्टेबाजी में बड़ी रकम हार गए थे और इसीलिए उन्होंने फिरौती मांगी थी। सोमवार को न्यायाधीश एस.बी. अग्रवाल ने इन दोनों आरोपियों में से हिमांशु को बरी कर दिया था और विजेश को दोषी करार दिया था। आदित्य के परिजन हिमांशु के बरी होने पर नाराज थे।

फिरौती के लिए किया था अपहरण

विजेश 13 मई, 2013 को अदित को घर से बाहर बुलाकर हिमांशु के कहने पर मुंबई से दूर ले गया था। आदित्य के पिता जितेंद्र से 30 लाख रुपये की फिरौती की मांग की गई। जितेंद्र ने पुलिस में शिकायत कर दी। इससे विजेश और हिमांशु घबरा गए। विजेश ने खोपोली के जंगल में ले जाकर आदित्य की हत्या कर दी। बेटे के कत्ल के गम में उसके पिता जितेंद्र का भी निधन हो गया था

मुंबई के 2,400 डॉक्टर 'झोलाछाप' घोषित

मुंबई। डायरेक्टरेट ऑफ मेडिकल एजुकेशन ऐंड रिसर्च (डीएमईआर) ने महाराष्ट्र के 4.500 डॉक्टरों को 'झोलाछाप' घोषित कर दिया है। इनमें मुंबई के मेडिकल कॉलेजों के भी 2,500 ग्रेजुएट शामिल हैं। इन डॉक्टरों को ग्रामीण क्षेत्रों में अनिवार्य एक वर्ष सेवा न करने की वजह से 'झोलाछाप' माना गया है। डीएमईआर ने उन 4,500 डॉक्टरों की एक लिस्ट तैयार की है, जिन्होंने एमबीबीएस की डिग्री मिलने के बाद ग्रामीण क्षेत्र में एक साल की अनिवार्य सेवा नहीं की है। इसके लिए उन्होंने पेनल्टी भी नहीं दी है। सभी डॉक्टरों को हर पांच साल में महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल (एमएमसी) के साथ पंजीकरण कराना होता है। इन 4,500 डॉक्टरों ने अपने ग्रामीण सेवा बॉन्ड का उल्लंघन किया, इसलिए इनका पंजीकरण रद्द कर दिया गया है।

सरकारी विद्यालयों से स्नातक होने वाले मेडिकल छात्रों को एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त करने के पांच साल के भीतर एक वर्ष के लिए एक गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर काम करने का बॉन्ड भरना होता है। अगर वे बॉन्ड की सेवा नहीं देते हैं, तो उन्हें पेनल्टी का भुगतान करना होगा, जो एक एमबीबीएस डॉक्टर के लिए 10 लाख रुपये, पोस्टग्रेजुएट्स के लिए 50 लाख रुपये और सुपर-स्पेशलिटी डॉक्टरों के लिए 2 करोड़ रुपये होती है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975** कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

ई-वॉलेट में हर महीने 50,000 रुपए कैश जमा कर सकेंगे

मुंबई। रिजर्व बैंक ने प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट (पीपीआई) पर नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके मुताबिक इनमें हर महीने 50,000 रुपए तक कैश जमा किया जा सकता है। इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से जमा करने की सीमा एक लाख रुपए होगी। हालांकि इसके लिए कंस्टमर का केवाइसी नियमों का पालन करना जरूरी है। इंस्ट्रूमेंट जारी करने वाली कंपनियां इसमें बैलेंस रकम पर ब्याज नहीं दे सकती हैं।

पेटीएम जैसे मोबाइल वॉलेट, कागजी मील कूपन आदि पीपीआई के दायरे में आते हैं। पीपीआई जारी करने वाली मौजूदा कंपनियों को 31 दिसंबर 2017 तक इन नियमों का पालन करना होगा। आरबीआई ने पीपीआई में इंटर-ऑपरेबिलिटी को भी मंजूरी दी है। यानी एक पीपीआई से दूसरे में

पैसे भेजे जा सकेंगे। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई आधारित इंटर-ऑपरेबिलिटी छह महीने में शुरू हो जाने की उम्मीद है। इसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। इंटर-ऑपरेबिलिटी की सुविधा सिर्फ केवाइसी का पालन करने वालों को मिलेगी। आरबीआई का कहना है उसकी गाइडलाइंस का मकसद इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट को लोकप्रिय और सुरक्षित बनाना है। पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन नवीन सूर्य ने कहा कि डिजिटल पेमेंट में अभी पीपीआई की हिस्सेदारी सिर्फ 10% है।

नए नियमों से पांच साल में यह 30-40% तक पहुंच जाएगी। टेक्नोलॉजी फर्म एम1एल के सीईओ अंशुमन वर्मा ने भी कहा कि इस कदम से डिजिटल पेमेंट तेजी से बढ़ेगा। अभी कुछ कंपनियां ई-वॉलेट से बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर की सुविधा देती हैं, लेकिन इसके लिए अतिरिक्त चार्ज लेती हैं। आगे यह शुल्क खत्म हो सकता है।

'पद्मावती फिल्म हमें नहीं दिखाई तो निशाने पर होंगे सिनेमाघर'

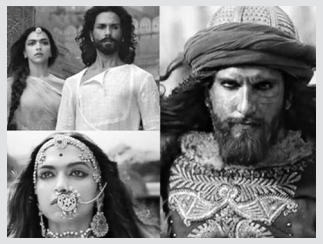

मुंबई। फिल्म निमार्ता संजयलीला भंसाली पर हमला कर चर्चा में आए करणी सेना ने नवी मुंबई में फिल्म पदमावती के होर्डिंग फाड़ दिए। संगठन ने चेतावनी दी है कि, फिल्म को कहीं भी प्रदर्शित नहीं होने दिया जाएगा। गुरुवार को मुंबई मराठी पत्रकार संघ में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कई राजपूत संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा, यदि इस फिल्म की वजह से कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ी तो इसके लिए फिल्म के निमार्ता भंसाली और सरकार जिम्मेदार होगी।

करणी सेना के मुंबई अध्यक्ष जगदीश भानुजा ने कहा, अभी हमने सिर्फ फिल्म के पोस्टर फाडे.हैं, यदि क्षत्रिय समाज की भावनाओं का ख्याल नहीं रखा गया तो यह फिल्म चलाने वाले थियेटर भी हमारे निशाने पर होंगे। महाराणा प्रताप बटालियन के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, भंसाली की फिल्म कंपनी के अधिकारी ने हमें आश्वासन दिया था कि फिल्म को प्रदर्शन से पूर्व प्रमुख क्षत्रिय संगठनों को दिखाया जाएगा। फिल्म का प्रचार शुरू हो गया पर अभी तक हमें यह फिल्म दिखाई नहीं गई।

क्षत्रिय समाज की भावनाएं आहत न हो, सेंसर बोर्ड रखे ध्यान

इस बीच अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने फिल्म सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष प्रसून जोशी व मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुराग श्रीवास्तव को पत्र भेजकर मांग की है कि इस फिल्म को प्रमाणपत्र जारी करते समय इस बात का ख्याल रखा जाए कि क्षत्रिय समाज की भावनाएं आहत न हो। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा-युवा के कार्यवाहक अध्यक्ष (मुंबई) प्रमोद सिंह ने कहा, प्रमाणपत्र देने के पूर्व विवादित व आपत्तिजनक दृश्यों व संवादों की अच्छी तरह जांच कर ली जाए।

नांदेड में कांग्रेस की जीत पर बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष बोले...

दिया बुझते समय बहुत फड़फड़ाता है

मुंबई। नांदेड में कांग्रेस की जीत के बाद बीजेपी और कांग्रेस के नेताओं में वाकयुद्ध शुरू हुआ है। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष रावसाहेब दानवे ने कहा कि, नांदेड़ के लोगों का निर्णय हमारी पार्टी को मान्य है, हम जनता का सम्मान करते हैं, लेकिन कांग्रेस बुझता दिया है और सभी को पता है कि, बुझते समय दिया बहुत फड़फड़ाता है। नांदेड़-वाघाला महा पालिका के चुनाव के नतीजे गुरुवार को घोषित हुए। चुनाव में कांग्रेस ने 81 में से 70 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं बीजेपी को 6 सीटें मिली। इस पर कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष अशोक चव्हाण ने कहा कि महा पालिका में कांग्रेस की जीत से बीजेपी की वापस जाने की यात्रा शुरू हुई है। इस पर रावसाहेब दानवे ने कहा कि, नांदिड लोकसभा और विधानसभा चुनाव में हमारी जीत नही हुई थी। लेकिन महा पालिका चुनाव में हमें सिर्फ दो सीटें मिली थी। दानवे ने यह बी कहा कि, बीजेपी के वोट 3.81 से 24.64 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। इसलिए नांदेड़ महा पालिका चुनाव में कांग्रेस की जीत बुझते दिया की तरह है। जो बुझता समय बहुत भभकता है। उन्होंने यह भी कहा कि, नांदेड में जीत से कांग्रेस ज्यादा न उछले रिटर्न मानसून किसका खत्म होगा यह समय ही तय करेगा।

'कड़कनाथ' के प्रजनन को बढ़ावा देने खुलेगा सेंटर

मुंबई। राज्य सरकार ने कड़कनाथ प्रजाति के मुर्गा-मुर्गियों के पालन और प्रजनन को बढ़ावा देने का फैसला लिया है। प्रदेश के पशु संवर्धन, दुग्धविकास व मत्स्यविकास मंत्री महादेव जानकर ने बताया, सरकार की तरफ से कड़कनाथ का उत्पादन बढ़ाने के लिए उस्मानाबाद के तुलजापुर में एक सेंटर खोला जाएगा। इसके लिए सरकार की तरफ से 5 करोड़ रुपए की निधि आवंटित की जाएगी। जानकर ने बताया, तुलजापुर शहर से 6 किमी दूरी पर स्थित तीर्थ गांव में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में पशुपालन विभाग की जमीन पर सेंटर खोला जाएगा।

सेस फंड से दिए 1 लाख

उस्मानाबाद के जिला पशुपालन अधिकारी डॉ नामदेव आघव ने बताया, उस्मानाबाद के शिंदेवाडी गांव में कड़कनाथ प्रजाति के मुर्गा-मुर्गियों को विकसित करने के लिए जिला परिषद के सेस फंड से एक लाख रुपए दिए गए हैं। गांव के महिला बचत समूहों को कड़कनाथ प्रजाति के 10 मादा और 2 नर पक्षियों का वितरण किया गया है। गांव के निवासी नितिन शिंदे शेड बना कर लगभग दो हजार कड़कनाथ मुर्गा-मुर्गी का पालन करते हैं। उन्होंने बताया कि जिला परिषद की तरफ से नवंबर महीने में 10 लाख रुपए खर्च कर कड़कनाथ प्रजाति के मुर्गा-मुर्गियों का वितरण किया जाएगा। इसके लिए अलग-अलग तहसीलों के गांव चुने जाएंगे।

30 से 40 रुपए में बिकता है अंडा

कड़कनाथ प्रजाति के मुर्गियों के अंडे बाजार में 30 से 40 रुपए प्रति नग की दर से बिकते हैं। इसका चिकन लगभग 300 रुपए किलो की दर से बिकता है। बाजार में बड़े कड़कनाथ प्रजाति के मुर्गो की कीमत 1500 से 2000 रुपए तक है। कड़कनाथ प्रजाति के मुर्गा-मुर्गी का रंग और खून काला होता है। महाराष्ट्र के उस्मानाबाद के अलावा मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में कड़कनाथ प्रजाति के मुर्गे पाए जाते हैं।

आयात पर खर्च होते हैं करोड़ों

राज्य में फिलहाल अंडा, मुर्गा-मुर्गी के चिकन और मछली समेत अन्य मांस मंगाने के लिए करोड़ों रुपए खर्च होते हैं। इसके मद्देनजर मंत्री जानकर विश्व अंडा दिवस पर 13 अक्टूबर को पुणे में आयोजित कार्यक्रम में राज्य को मांस उत्पादन में सक्षम बनाने के लिए घोषणा करेंगे। जानकारी के अनुसार राज्य में हर दिन लगभग 3 लाख अंडों की खपत होती है। लेकिन उत्पादन केवल 80 से 90 हजार अंडों का हो पाता है। बाकी के अंडे दूसरे राज्यों से मंगाए जाते हैं।

कई बीमारियों में फायदेमंद

जानकर ने कहा, इसका मांस हृदय रोग समेत अन्य कई बीमारियों में फायदेमंद है। यहां भेड़ और बकरी महामंडल के माध्यम के कड़कनाथ मुर्गी के चुजे बांटे जाएंगे। इसके जरिए कड़कनाथ के चिकन और अंडों को विदर्भ, मराठवाड़ा और खानदेश में भेजा जाएगा। जानकर ने कहा, कड़कनाथ के चिकन का उत्पादन ज्यादा होगा तो उसको तेलंगाना और आंध्रप्रदेश में भेजे जाने की योजना है।

बिना टिकट यात्रा करनेवाले यात्रियों से बेस्ट ने वसूला 22 लाख रुपये दंड

मुंबई। बेस्ट प्रशासन द्वारा बेस्ट बस से बिना टिकट व तय दूरी से अधिक की यात्रा करने वालों के खिलाफ मुहीम चलाई जाती है। इस मुहीम के अंतर्गत मई से अगस्त तक इन चार महीनों के दौरान बेस्ट द्वारा लगभग 22 हजार 963 यात्रियों को पकड़ा गया है। जिनसे लगभग 22 लाख 31 हजार 492 रुपये दंड के रूप में वसूल किया गया है। गौरतलब है कि बेस्ट को मुंबईकरों की दूसरी लाइफ लाइन कहा जाता है। बेस्ट बस से बड़ी संख्या में यात्रियों द्वारा यात्रा की जाती है ऐसे में बिना टिकट यात्रा करने व तय दूरी से अधिक की यात्रा करने वाले यात्रियों को पकड़ने के लिए उनके खिलाफ बेस्ट प्रशासन द्वारा मुहीम चलाई जाती है। इस मुहीम के अनुसार इस वर्ष मई से अगस्त तक इन चार महीनों के दौरान बेस्ट द्वारा लगभग 22 हजार 963 यात्रियों को पकड़ा गया है। जिनसे लगभग 22 लाख 31 हजार 492 रुपये दंड के रूप में वसूल किया गया है। वहीं जनवरी से अप्रैल तक इन चार महीनों के दौरान बेस्ट द्वारा लगभग 25 हजार 575 यात्रियों को पकड़ा गया है।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें।
(9619102478)

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरतं संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे)
(9619102478)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

कांग्रेस को संजीवनी

तपते रेगिस्तान में जिस तरह किसी प्यासे व्यक्ति के लिए पानी की चंद बूंदे भी बड़े माइने रखती हैं। बिल्कुल उसी तरह महाराष्ट्र से बेदखल कांग्रेस के लिए नांदेड़-वाघाला महानगर पालिका का चुनाव संजीवनी साबित हुआ है। इन महानगर पालिका में एक तरफ जहां एमआईएम का सुपड़ा साफ हो चुका है। तो शिवसेना ने सिर्फ एक सीट जीतकर अपनी ही खिल्ली उड़ा डाली है। भारतीय जनता पार्टी के खाते में मात्र छह सीटें आई हैं। जबकि पूर्व के चुनाव में एमआईएम ने 11 सीट, बीजेपी दो और शिवसेना ने 12 सीटें जीती थी। यहां कांग्रेस ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए इस चुनाव में 81 सीटों में से 69 सीटों पर विजय का परचम लहराया है। इस महानगर पालिका के चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने यहां अ पनी पूरी ताकत झोक दी थी। उसे उम्मीद थी कि कुछ नही तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर यहां की जनता उसे अवश्य वोट करेंगी। लेकिन उसकी उम्मीदों पर पानी फिर गया। हां, इतना जरूर हुआ कि पिछले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने जहां महज दो सीटें जीती थी इस बार उसमें बढोत्तरी हुई और यह आकड़ा छह तक पहुंचा। कांग्रेस में इस विजय को लेकर काफी उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। ऐसा होना भी लाजिमी है क्योंकि बहुत दिनों बाद उसे कामयाबी का स्वाद चखने को मिला। इस संबंध में कांग्रेस की जीत पर महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि जनता ने विकास के मुद्दे का समर्थन किया है। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का खेल इसलिए भी बिगड़ा कि जो कभी भारतीय जनता पार्टी के किसी भी सूरत में हो नही सकते थे, ऐसे लोगों को भाजपा ने गले लगाया और उन्हें टिकट देकर चुनाव मैदान में उतारा। जिसका नतीजा अब सामने है। नांदेड़ महानगर पालिका की यह जीत एक तरफ जहां भारतीय जनता पार्टी के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकती है तो दूसरी तरफ कांग्रेस के लिए मृतसंजीवनी बन सकती है। भाजपा को अब मुगालते में नही रहना चाहिए क्योंकि जनता का दिमाग कभी भी किधर भी खिसक सकता है।

- दिलशाद एस. खान

देश हित पर भारी पड़ता दलीय हित

हाल में चुनाव आयोग ने कहा कि सितंबर 2018 तक वह लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने में सक्षम हो जाएगा। इसके बाद से लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ करने का मुद्दा एक बार फिर जिंदा हो गया। चुनाव आयोग के अनुसार एक साथ चुनाव कराने के लिए 40 लाख इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और वोटर वैरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) की जरूरत होगी जो उसे एक साल के भीतर उपलब्ध हो जाएंगी। चुनाव आयोग की इस घोषणा के बाद एक साथ चुनाव कराने में अब तक बाधा बनी उपकरणों की कमी की चिंता दूर हो गई है। अब गेंद सरकार के पाले में है। वह इस संबंध में राजनीतिक सहमति बनाए और जरूरी विधायी उपाय करे। हालांकि कुछ राजनीतिक पार्टियां एक साथ चुनाव कराने के पक्ष में नहीं हैं। उनकी हताशा भरी प्रतिक्रियाओं को देखते हुए लगता है कि सरकार के लिए इस पर आम सहमति बनाना आसान नहीं होगा, पर यदि हम हर साल हो रहे चुनावों पर भारी भरकम खर्च में कटौती करना चाहते हैं और गवर्नेंस एवं विकास कार्यों में बाधक बने चुनावों के दुष्चक्र को तोड़ना चाहते हैं तो इस दिशा में गंभीरता से प्रयास करना होगा।

लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव 1952, 1957, 1962 और 1967 में एक साथ ही हुए थे। इसके बाद यह क्रम दो कारणों से छिन्न-भिन्न हो गया। पहला, आजादी के बाद 1967 में पहली बार कांग्रेस को विभिन्न राज्यों में हार का मुंह देखना पड़ा और उत्तर भारत में संयुक्त विधायक दल जैसे अस्थाई गठबंधन की सरकारें बनीं। ये सरकारें असमान विचारधारा वाली राजनीतिक पार्टियों के गठजोड़ से बनी थीं जो कांग्रेस विरोध के नाम पर एक मंच पर आई थीं, लेकिन अपना चुनावी लक्ष्य हासिल करने के बाद वे बिखर गईं, क्योंकि उनके पास आगे एक साथ रहने की कोई ठोस वजह नहीं रह गई थी। इसके अलावा कांग्रेस की अगुआई वाली तत्कालीन केंद्र सरकार ने इन गठबंधन सरकारों को अस्थिर करने के लिए हर तरह की राजनीतिक चालों का इस्तेमाल किया और यहां तक कि राष्ट्रपति शासन का भी सहारा लिया। 1990 के दशक के मध्य में बोम्मई मामले में फैसला आने तक कांग्रेस ने राज्यों में दूसरी पार्टियों की सरकारों को बर्खास्त करने और उन्हें केंद्र के अधीन रखने के लिए अनुच्छेद 356 का अंधाधुंध प्रयोग किया। यह खेल वह तब तक खेलती जब तक उसे यह विश्वास नहीं हो जाता कि राज्य की चुनावी हवा उसके अनुकूल है। एक साथ चुनाव की व्यवस्था टूटने का दूसरा प्रमुख कारण तत्कालीन प्रधानमंत्री का साल भर पहले ही 1971 में लोकसभा चुनाव कराने का फैसला था। यदि तब तय समय से चुनाव होते तो लोकसभा के चुनाव भी 1972 में राज्यों के चुनावों के साथ ही होते, लेकिन इंदिरा गांधी के निर्णय ने इस क्रम को तोड़ दिया। उन्होंने यह कदम चुनाव में अधिक से अधिक चुनावी लाभ हासिल करने की मंशा से उठाया था, लेकिन हकीकत में वह चुनावी प्रक्रिया को तहस-नहस करने का सबसे बड़ा कारण बन गया।

विधि आयोग ने 1999 में अपनी 170 पेज की रिपोर्ट में इस मुद्दे का गहन परीक्षण किया और एक साथ चुनाव कराने के पक्ष में खुलकर विचार रखे। उसका कहना था कि देश में एक चुनाव कराने का लक्ष्य रातोंरात हासिल नहीं हो सकता, क्योंकि विभिन्न विधानसभाओं

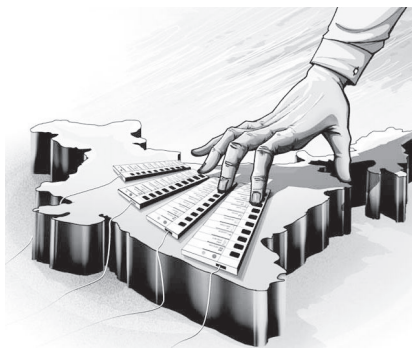

के कार्यकाल पांच वर्षों के दौरान अलग-अलग समय में पूरे होते हैं। उसने अगले 12 महीनों में होने वाले राज्यों के चुनावों को एक साथ कराने का सुझाव दिया। आयोग ने कहा कि यदि सभी राजनीतिक पार्टियां सहयोग करें तो किसी भी दल के हितों को चोट पहुंचाए बिना आवश्यक कदम उठाए जा सकते हैं। इसके लिए संविधान में संशोधन कर कुछ विधानसभाओं के कार्यकाल में छह महीने की कटौती की जा सकती है।

हालांकि एक साथ चुनाव कराने का विरोध करने वाले दल भी कम नहीं हैं। इनमें भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और अन्य छोटी पार्टियां शामिल हैं। कुछ दलों को डर है कि इससे मतदाताओं पर राष्ट्रीय पार्टियों का कहीं ज्यादा प्रभाव हो जाएगा और चुनाव अभियान राष्ट्रीय मुद्दों के आसपास सिमट जाएंगे। परिणामस्वरूप क्षेत्रीय और छोटी राजनीतिक पार्टियां बड़े दलों का मुकाबला नहीं कर पाएंगी और चुनावों में उनका एक तरह से सफाया हो जाएगा। इसके विपरीत जब हम लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव के दौरान मतदाताओं के दृष्टिकोण का परीक्षण करते हैं तो इस तरह के तर्कों को एकदम निराधार पाते हैं। देश में ऐसे कई मौके आए हैं जब लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ या कुछ महीनों के अंतराल में हुए हैं। ऐसे मौकों पर मतदाताओं ने केंद्र और राज्यों में अलग-अलग पार्टियों को सत्ता सौंपी। वास्तव में मतदाताओं का किसी एक पार्टी की तरफ एकतरफा झुकाव नजर नहीं आता। यहां तक कि लोकसभा और विधानसभाओं में अलग-अलग दलों को चुनने में मतदाता जिस चतुराई का प्रदर्शन करते हैं उससे तो कई बार अनुभवी राजनेता भी दंग हो जाते हैं।

एक साथ चुनाव कराने के फायदे नुकसान से कहीं ज्यादा हैं। अलग-अलग चुनाव का मौजूदा चलन गवर्नेंस को बडे. पैमाने पर क्षति पहुंचाता है। एक बार आदर्श आचार संहिता लागू हो जाती है तो जब तक चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह संपन्न न हो जाए तब तक विकास के काम एक तरह से स्थगित हो जाते हैं। केंद्र सरकार और चुनाव वाले राज्यों की सरकारें चुनाव आयोग की विपरीत प्रतिक्रिया के डर से कई योजनाएं रोक लेती हैं। इसके अलावा हर साल हो रहे चुनावों पर भारी भरकम राशि भी बेवजह खर्च करनी पड़ती है। चुनाव आयोग ने अनुमान लगाया है कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव अलगअ-लग कराने पर 4500 करोड़ रुपये की लागत आती है। विधि आयोग की कवायद के बाद कार्मिक, लोक सेवा, विधि और न्याय से संबंधित संसद की स्थाई समिति ने भी हाल में इस विषय का गहन परीक्षण किया। समिति ने माना कि अलग-अलग चुनाव प्रायः नीतिगत अपंगता और गवर्नेंस की कमी का जरिया बनते हैं। इस समिति ने एक साथ चुनाव की शुरूआत के लिए कहा है कि राज्यों को दो श्रेणी में बांटा जा सकता है। एक श्रेणी के चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ कराए जा सकते हैं और दूसरी श्रेणी के चुनाव एक या दो साल के बाद। अंततोगत्वा आगे चलकर सभी राज्यों का चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ कराया सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी और उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू एक साथ चुनाव कराने के प्रबल समर्थकों में शामिल हैं। मुखर्जी ने कहा था कि चूंकि हर साल कहीं न कहीं चुनाव होते रहते हैं इसलिए आचार संहिता के कारण सरकारी कामकाज प्रभावित होता है। नायडू का कहना है कि नियमित चुनावी पर्व विकास को बाधित कर रहा है। देश हित में एक साथ चुनाव समय की मांग है। संकीर्ण राजनीतिक सोच के साथ हाशिये पर खड़े राजनीतिक दलों को इसमें बाधक नहीं बनने देना चाहिए। हमें हर हाल में इन चुनावों को पुनः एक साथ कराना चाहिए।

सवाल वहीं का वहीं, आरुषि का हत्यारा कौन?

हाल के भारतीय इतिहास के सबसे रहस्यमय और सनसनीखेज हत्याकांड-आरुषि हत्याकांड में इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला कई सवालों का जन्म देने वाला है। चूंकि उच्च न्यायालय ने आरुषि की हत्या के आरोप में तलवार दंपत्ति यानी उसके माता-पिता को बरी कर दिया इसलिए यह पुराना सवाल फिर से सतह पर आ गया कि आखिर आरुषि और घरेलू सहायक हेमराज को किसने मारा? उच्च न्यायालय के फैसले के बाद राहत महसूस कर रहे तलवार दंपत्ति का यह कहना स्वाभाविक है कि उन्हें इंसाफ मिला, लेकिन आखिर आरुषि और हेमराज को इंसाफ कैसे मिलेगा? दुर्भाग्य से यह वह सवाल है जिसका जवाब किसी के पास नहीं दिख रहा-न सीबीआइ के पास और न ही न्यायपालिका के पास। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं कि सीबीआइ का अगला कदम क्या होगा और यदि वह उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय जाती है तो उसका निष्कर्ष क्या होगा, लेकिन यह ध्यान रहे कि किसी मामले की दोबारा जांच यदा-कदा ही हो पाती है। आरुषि हत्याकांड में तो ऐसा कुछ दिख ही नहीं रहा, जिससे दोबारा जांच की वैसी कोई सूरत बन सके जैसी जेसिका लाल हत्याकांड में बनी थी। आरुषि और हेमराज की हत्या के मामले में पहले तो उत्तर प्रदेश पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी और अब उच्च न्यायालय के फैसले से यह साफ हो गया कि सीबीआइ की जांच भी ढाक के तीन पात वाली रही। ऐसा शायद इसलिए हुआ, क्योंकि उत्तर प्रदेश पुलिस ने देश-दुनिया का ध्यान खींचने वाले नोएडा के इस हत्याकांड की जांच बेहद खराब तरीके से की। क्या इससे हास्यास्पद और कुछ हो सकता है कि जिस घर में आरुषि की हत्या हुई उसकी छत पर घरेलू सहायक हेमराज का शव पड़ा था, लेकिन पुलिस उसे खोजे बगैर लौट गई? जब तक जांच सीबीआइ के पास आती तब तक तमाम साक्ष्यों से छेड़छाड़ हो चुकी थी। रही-सही कसर साक्ष्यों को मिटाने की कोशिश ने पूरी कर दी। सीबीआइ की मानें तो साक्ष्य मिटाने का यह काम खुद तलवार दंपत्ति ने किया। इस हत्याकांड ने इतनी सुर्खियां शायद इन अजीबोगरीब परिस्थितियों के चलते बटोरीं कि एक तो घर में जबरन प्रवेश का कोई सुबूत नहीं था और दूसरे, घरेलू सहायक की कोई खोज-खबर लिए बगैर तलवार दंपत्ति बेटी का अंतिम संस्कार करने हरिद्वार निकल गए थे। उच्च न्यायालय के फैसले के संदर्भ में इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि उसने तलवार दंपत्ति को साक्ष्यों के अभाव में बरी किया है, न कि निर्दोष करार दिया है।

निःसंदेह अदालतें प्रमाण के आधार पर ही फैसले देती हैं, लेकिन समाज को संतुष्टि तो तभी होती है जब कोई फैसला होने के साथ ही होते हुए दिखता है। इस मामले में ऐसा कुछ नहीं है। हो सकता है कि उच्च न्यायालय के फैसले के बाद आरुषि हत्याकांड फिर से सुर्खियों में छाए और उस पर किताबें लिखी जाएं एवं फिल्में बनें, लेकिन बात तब बनेगी जब इस सवाल का जवाब मिलेगा कि आखिर आरुषि और हेमराज को किसने मारा? तलवार दंपत्ति के साक्ष्यों के अभाव में बरी होने के बाद यह सवाल और अधिक गहरा गया है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आखिरकार मनपा में कार्यरत कर्मचारियों को 14500 रुपये दिवाली बोनस देने का निर्णय

मुंबई। मनपा में बड़ी संख्या में कार्यरत मनपा कर्मचारियों को इस वर्ष लगभग 14500 रुपये दीवाली बोनस दिए जाने की घोषणा मनपा महापौर विश्वनाथ महाड़ेश्वर ने किया। बोनस में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 500 रुपये की बढ़ोत्तरी की गयी है। गौरतलब है कि मनपा में लगभग 1 लाख 15 हजार कर्मचारी कार्यरत है। मनपा कर्मचारियों के दिवाली बोनस के संदर्भ में आखिरकार निर्णय ले लिया गया है। दिवाली पूर्व इन कर्मचारियों को इस वर्ष लगभग 14500 रुपये दिवाली बोनस दिए जाने की घोषणा मनपा महापौर विश्वनाथ महाड़ेश्वर ने की है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष बोनस में 500 रुपये की बढ़ोत्तरी की गयी है। पिछले वर्ष लगभग 1400 हजार रुपये बोनस मनपा कर्मचारियों को दिया गया था। इसी के साथ अनुदान प्राप्त निजी प्राथमिक स्कूलों में कार्यरत कर्मचारियों को 7250 रुपये बोनस

दिया जाएगा। शिक्षण विभाग में प्राथमिक शिक्षण सेवक के रूप में कार्यरत कर्मचारियों को 4500 रुपये बोनस दिया जाएगा। निजी अनुदान प्राथमिक स्कूलों में कार्यरत शिक्षण सेवकों को 2250 रुपये बोनस दिया जाएगा। जबकि कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले कर्मचारियों को वेतन का 8.33 रुपये बोनस दिए जाने के संदर्भ में अब तक निर्णय नही लिया गया है। मनपा प्रशासन द्वारा प्रस्तावित इस बोनस के संदर्भ में लगातार गटनेताओं, महापौर, आयुक्त व संगठन के साथ तीन बैठके की गई थी जिसमे कोई निर्णय नही हो पाया था। जिसके बाद बुधवार को आयोजित बैठक में आखिरकार निर्णय लेकर मनपा कर्मचारियों के लिए दिवाली बोनस जाहिर किया गया। दिवाली बोनस देने के लिए मनपा द्वारा लगभग 160 करोड़ 30 लाख रुपए खर्च किया जाएगा। दिवाली बोनस के लिए प्रतिवर्ष मनपा बजट में बड़ी राशि का प्रावधान किया जाता है।

मरीन लाइन्स तथा माहिम जं. स्टेशनों के बीच जम्बो ब्लॉक

मुंबई। रेल पथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु रविवार, 15 अक्टूबर, 2017 को 10.35 बजे से 15.35 बजे तक मरीन लाइन्स तथा माहिम जं. स्टेशनों के बीच डाउन धीमी लाइन पर पश्चिम रेलवे का जम्बो ब्लॉक लिया जायेगा। ब्लॉक अवधि के दौरान, सभी डाउन धीमी ट्रेनें मरीन लाइन्स तथा माहिम जं. स्टेशनों के बीच डाउन फास्ट लाइनों पर चलाई जायेंगी। परिवर्तित मार्ग पर चलने वाली ये ट्रेनें महालक्ष्मी, एलफिंस्टन रोड एवं माटुंगा रोड स्टेशनों पर प्लेटफॉर्मों की अनुपलब्धता के कारण नहीं रुकेंगी।

इसलिए यात्री बांद्रा तथा मुंबई सेंट्रल स्टेशनों के मध्य इन गंतव्य स्टेशनों के लिए उल्टी दिशा में यात्रा कर सकते हैं। धीमी गति की सभी ट्रेनों को लोअर परेल एवं माहिम जं. स्टेशन पर डबल हॉल्ट दिया जायेगा। इस ब्लॉक के दौरान कुछ अप तथा डाउन लोकल ट्रेनें निरस्त रहेंगी। इस ब्लॉक की विस्तृत जानकारी स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे यात्रा प्रारम्भ करते समय उपरोक्त ब्लॉक व्यवस्था को ध्यान में रखें।

महिला नगरसेविका के चयन के लिए महिला मतदाताओं की पहल

मुंबई। भांडुप पश्चिम प्रभाग क्रमांक 116 में बुधवार को उपचुनाव किया गया। इस चुनाव में बड़ी संख्या में महिला मतदाता मतदान केंद्रों में उपस्थित होने से महिला नगरसेविका का चयन करने के लिए महिला मतदाता द्वारा पहल किये जाने का स्पष्ट होता है। गौरतलब है कि भांडुप पश्चिम स्थित प्रभाग क्रमांक 116 की कांग्रेस नगरसेविका प्रमिला पाटिल की मृत्यु के बाद बुधवार को यहां उपचुनाव किया गया। यह प्रभाग महिलाओं के लिए आरक्षित होने से विभिन्न पक्षों से लगभग 7 महिला उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतरी। यह चुनाव विशेषकर शिवसेना पक्ष की मीनाक्षी अशोक पाटिल व भाजपा उम्मीदवार जागृति प्रतीक पाटिल के बीच मे है। इस प्रभाग में मतदान के लिए सात जगहों पर 29 मतदान केंद्र की व्यवस्था की गई थी। वहीं कई मतदान केंद्रों पर मतदान करने का समय समाप्त होने के बाद भी शाम 5.30 बजे तक मतदाताओं के कतार में होने से मतदान केंद्र देरी तक शुरू रखे गए थे। इस प्रभाग में दोपहर 3.30 बजे तक 41.44 प्रतिशत मतदान किया गया था। जबकि लगभग 5.30 बजे तक मतदान का प्रतिशत 50.64 प्रतिशत तक पहुंच गया। जिसमे लगभग 10860 पुरुष व लगभग 8436 महिला मतदाताओं का समावेश है। इस मतदान केंद्र में से बीपीईएस ऑडिटोरियम मतदान केंद्र में मतदाता बड़े प्रमाण में कतार लगाकर मतदान कर रही थी किन्तु इसकी तुलना में दत्ता सामंत स्कूल व सेंट झेवियर्स स्कूल में मतदान का प्रतिशत कम था। वहीं इस चुनाव में पुरुषों की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या अधिक थी। चुनाव का परिणाम आज 12 अक्टूबर को एस विभाग कार्यालय में घोषित किया जाएगा।

(पृष्ठ 1 का शेष)

मेहर के खिलाफ उठी आवाज

जिनमें एक प्रमुख नाम नारी सम्मान संघटन का है, जिसकी अध्यक्षा श्रीमती सुंदरी ठाकुर ने शरीयत की आड़ में मेहर की प्रथा के खात्मे की पहल के लिए दिलशाद एस खान की प्रशंसा करते हुए कहा कि निश्चित रूप से दिलशाद खान जी का यह प्रयास सराहनीय है। उन्होंने आशा प्रकट की कि जिस तरह से तीन तलाक जैसी प्रथा से मुस्लिम बहनों को छुटकारा मिला उसी तरह दिलशाद जी की पहल और प्रयास से मेहर प्रथा से भी उन्हें छुटकारा मिलेगा। श्रीमती सुंदरी ठाकुर ने दिलशाद खान को यह भी भरोसा दिलाया कि उनके इस नेक सामाजिक कार्य में वे खुद और उनके संघटन की सारी महिलाएं उनके साथ हैं। इस नेक काम में उन्हें जहां हमारी जरूरत महसूस होगी हम 24 घंटे उनके लिए उपलब्ध होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि मुस्लिम बच्चियों के हित के लिए वे उनकी आवाज को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक भी पहुंचाएंगी। क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद बेटी बचाओं का नारा देकर देश की बेटियों का भविष्य उज्ज्वल करने में लगे हैं। इधर समाजसेवक-संपादक दिलशाद खान का कहना है कि उनकी मुखालिफत मेहर से नही है, बल्कि मेहर की नाममात्र रकम को लेकर है क्योंकि निकाह में मेहर तो शरीयत के अनुसार कबूल करवाई जाती है। और इसके लिए नाम मात्र की रकम रखी जाती है, जबकि निकाह के बाद दिखावे को लेकर की गई फिजूलखर्ची में लाखों रुपये फूंक दिए जाते हैं। इस तरह शादी में तो शरीयत के खिलाफ जाकर फिजूलखर्ची और दिखावा किया जाता है और मेहर को शरीयत का नाम देकर उसे लड़कियों पर लादा जाता है। यह कहां का इंसाफ है। इससे हमें बच्चियों को बचाना है। हमारा तो कहना है निकाह के वक्त इस पर भी सहमति बनें कि शौहर की संपत्ति में बीवी भी आधी की हकदार होगी।

यह कैसा मजाक

आज व्यापारी, किसान युवा सभी परेशान है। बीजेपी अघोषित एमरजेंसी लगा रखी है गुजरात में नहीं बल्कि देश में। लोगों को ये डरा रहे हैं। राजब्बर ने कहा कि मंदिर कहा बनेगा, ये कोर्ट बताएगा। मंदिर का विरोध नहीं करता। उन्होंने कहा कि बीजेपी देश की जनता को बंधुआ मजदूर न समझे। रेल की पटरी पर लाइन लाकर हम लोग सुनते थे कि ट्रेन आ रही है। गुजरात की आवाम भी इसी तरह बीजेपी को बेदखल करने के लिए संदेश दे रही हैं, जिसे बीजेपी सुन नहीं पा रही। राज बब्बर ने कहा कि गुजरात में कांग्रेस का काम बोलेगा। कांग्रेस गुजरात में काम करने आएगी। आज किसान से लेकर नौजवान और व्यापारी बोल रहा है लेकिन इन्हें सुनाई दे रहा है। राजब्बर ने कहा कि हमारा चेहरा मत तलाश करो। सनातन मिजाज को हम लेकर चलने वाले हैं। राजब्बर ने कहा कि आज लाखों लोग बेरोजगार है व्यापार बंद हो रहे हैं, किसान परेशान है। नोटबंदी के बाद लाल नोट बीजेपी के दफ्तरों में ही नजर आ रहे थे।

कांग्रेस का बीजेपी पर आरोप

वहीं भाजपा ने आयोग के फैसले पर कांग्रेस के सवाल को अनुचित ठहराते हुए पलटवार किया है कि पांचवी बार भी हार से डरी कांग्रेस बहाने ढूंढ रही है। गौरतलब है कि यह सवाल गुरुवार को ही चुनाव आयोग के सामने उठाया गया था और मुख्य चुनाव आयुक्त एके जोति ने कहा था कि लंबे समय तक आचार संहिता राज्य के लिए अच्छा नहीं होता है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश सरकार के आग्रह का भी जिक्र किया था जिसमें कहा गया था कि कम से कम वक्त आचार संहिता रखा जाए ताकि बाढ़ राहत के काम में अवरोध न हो। इसी क्रम में गुजरात में भी 46 दिन से ज्यादा आचार संहिता लागू न रखने की बात हुई थी। पर राजनीति गर्म हो गई है। कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक सिंघवी ने चुनाव आयोग पर भाजपा की मदद करने का साफ आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि चुनाव आयोग ने गुजरात में भाजपा को डूबने से बचाने के लिए आखिरी सहारा दिया है। अपने आरोपों को सही साबित करने के लिए सिंघवी ने आयोग की हिमाचल चुनाव की तारीखों के ऐलान के दस मिनट बाद ही गुजरात सरकार के करोड़ों रुपये की नई सौगातों की घोषणा का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 16 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गुजरात में रैली और कुछ घोषणाओं को आचार संहिता के दायरे से बचाने के लिए तारीखों के ऐलान को कुछ दिन के लिए टाला गया है। उन्होंने पिछले कुछ चुनावों का भी जिक्र किया। दूसरी तरफ भाजपा मे अलग अलग स्तर से कांग्रेस पर पलटवार हुआ। केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने जहां इसे कांग्रेस का डर करार दिया। वहीं गुजरात में भाजपा नेता ने कहा कि राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस को चुनाव आयोग निष्पक्ष लगा था और अब उसी आयोग पर सवाल उठाया जा रहा है।

दिवाली पर दिल्ली-मुंबई के बीच नई राजधानी ट्रेन

मुंबई। दीपावली के पहले दिल्ली और मुंबई के बीच नई राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन शुरू हो रही है। 16 अक्टूबर से शुरू होने वाली इस राजधानी में पैसेंजर्स को 2 घंटे कम लगेंगे जबकि किराया भी दूसरी राजधानी ट्रेनों के मुकाबले 600 से 800 रुपए कम होगा। यह ट्रेन दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन से मुंबई के बांद्रा टर्मिनस तक जाती है। वैसे, इस रूट पर पहले ही दो राजधानी ट्रेन चल रही हैं। रेलवे बोर्ड में ट्रैफिक मेंबर मोहम्मद जमशेद के मुताबिक-स्पेशल राजधानी शुरूआत में तीन महीने (16 अक्टूबर से 16 जनवरी) तक चलाई जा रही है। यह हफ्ते में तीन दिन ही चलेगी। ट्रैवल टाइम 2 घंटे कम होगा। इसका ट्रायल कामयाब रहा है। फिलहाल, इस रूट पर अगस्त क्रांति राजधानी और मुंबई सेंट्रल-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस चल रही हैं। अगस्त क्रांति 17 जबकि मुंबई सेंट्रल-नई दिल्ली राजधानी 16 घंटे में यह सफर पूरा करती हैं।

पीयू शताब्दी समारोह

40 मिनट का होगा पीएम मोदी का भाषण

पटना विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री का भाषण 40 मिनट या इससे अधिक का होगा सकता है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री साइंस कॉलेज परिसर में शनिवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक रहेंगे।

उनके मंच पर बैठते ही तीन मिनट में छात्राएं विश्वविद्यालय गीत प्रस्तुत करेंगी। अतिथियों का स्वागत तीन मिनट में कुलपति प्रो. रासबिहारी प्रसाद सिंह करेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का भाषण पांच मिनट का होगा। उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी चार मिनट में अपनी बात रखेंगे।

प्रधानमंत्री सहित मंच पर 11 अतिथि मौजूद रहेंगे। मंच पर बैठने वाले संभावित अतिथियों में राज्यपाल सत्यपाल मलिक, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, सूबे के शिक्षा मंत्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा, केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान, रविशंकर प्रसाद, अश्विनी चौबे, उपेंद्र कुशवहा, डॉ. सत्यपाल सिंह, कुलपति प्रो. रासबिहारी प्रसाद सिंह शामिल हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रधानमंत्री कार्यालय को विवि के इतिहास, प्रमुख एलुमिनी, शिक्षक, स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान आदि की जानकारी आमंत्रणपत्र के साथ भेजी था। विश्वविद्यालय प्रशासन पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि प्रधानमंत्री के समझ किसी तरह की मांग नहीं रखी गई है। बावजूद इसके विश्वविद्यालय के शिक्षक और छात्र शताब्दी वर्ष में गिफ्ट की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

अतिविशिष्ट अतिथि होंगे राजद सुप्रीमो और बिहारी बाबू

पटना विश्वविद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र रहे राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, पटना साहिब सांसद शत्रुघ्न सिन्हा उर्फ बिहारी बाबू सहित तमाम सांसद, राज्य सरकार के मंत्री, पटना हाईकोर्ट के न्यायाधीश, मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, राज्य सरकार के सभी बोर्ड के अध्यक्ष आदि अतिविशिष्ट अतिथि में शामिल हैं।

आरुषि तलवार के बाद अब ये केस भी बना देश की सबसे बड़ी मर्डर मिस्ट्री

आरुषि-हेमराज हत्याकांड में नौ साल बाद आए इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले ने इसे देश की सबसे बड़ी मर्डर मिस्ट्री में से एक बना दिया है। सवाल अब भी वही है कि आखिर आरुषि-हेमराज को 15-16 मई की रात को किसने मारा? लेकिन यह बात ही लोग जानते होंगे कि दिल्ली से सटे गाजियाबाद में हुआ सार्थक हत्याकांड भी आरुषि जैसा है और इन दोनों हत्याकांड में काफी समानताएं हैं।

सबसे बड़ी समानता तो यही है कि आरुषि और सार्थक हत्याकांड को आठ साल से अधिक हो चुके हैं, लेकिन दोनों ही अनसुलझे हैं। बता दें कि आरुषि तलवार की हत्या 15-16 मई, 2008 की रात हुई थी, जबकि सार्थक की मौत 5 फरवरी, 2009 को दिन में ही हुई थी। 5 फरवरी, 2009 को राजनगर में हुए साढ़े चार साल के मासूम सार्थक हत्याकांड को आठ साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन यह सवाल अब भी पुलिस को चिढ़ा रहा है कि साढ़े चार साल के उस मासूम को आखिर किसने मारा था, ठीक

आरुषि हत्या की तरह। पुलिस ने भी इस मामले में फाइनल रिपोर्ट लगाकर मान लिया है कि अब इस केस में वह कुछ नहीं कर सकती है।

घटनाक्रम के मुताबिक, 5 फरवरी, 2009 को दिल्ली से सटे राजनगर में सेक्टर-8 के अपार्टमेंट के फर्स्ट फ्लोर पर रहने वाले डॉ. राजेश चावला दोपहर में खाना खाने के बाद शाम करीब 4 बजे मुकुंदनगर स्थित अपने क्लीनिक के लिए निकले थे।

वहीं, उसी शाम करीब 6 बजे उनके घर में बर्तन साफ करने वाली महिला पहुंची। उसने फ्लैट का दरवाजा खटखटाया,लेकिन अंदर से किसी की आवाज नहीं आई।

अनहोनी की आशंका के चलते घरेलू सहायिका ने गेट पर तैनात गार्ड को जानकारी दी। डरते-सहमते गार्ड ओमबीर ने खिड़की से अंदर झांका तो कमरे में डॉक्टर की पत्नी डॉ. दीप्ति चावला खून से लथपथ पड़ी थीं।

वह यह देखकर और चौंक गया कि डॉ. दीप्ति चावला के पास ही उनका साढ़े चार साल का बेटा सार्थक भी खून से लथपथ पड़ा था। पुलिस किसी तरह लॉक तोड़कर कमरे में पहुंची।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पाया कि सार्थक का सिर कुचला हुआ था। उसके मांस के टुकड़े दीवारों पर भी चिपके थे। पास ही चाकू, हथौड़ी, पेचकस सहित अन्य सामान फैला था। दीप्ति के दोनों हाथों की नसें कटी थीं।

इतना ही नहीं, दीप्ति के शरीर के 18 हिस्सों में चोट के गंभीर निशान थे, जो चाकू के वार लग रहे थे। पुलिस ने दीप्ति को हॉस्पिटल पहुंचाया और सार्थक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। इस बीच डॉक्टर राजेश भी घर पहुंच गए।

राजनीति चमकाने के लिए उत्तर भारतीयों पर हमला करवाते हैं राज ठाकरे

महाराष्ट्र के सांगली से मनसे के कार्यकर्ताओं का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो उत्तर भारतीयों की सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर पिटाई कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इन दिनों राज ठाकरे की पार्टी मनसे ने लाठी चलाओ भैय्या हटाओ नाम से पर-प्रांतीयों को हटाने की एक मुहिम शुरू की है, जिसके तहत पार्टी के कार्यकर्ता लाठी डंडे से लैस होकर समूह में निकल रहे हैं और उन्हें सडक पर जहां भी उत्तर भारत के लोग दिखाई दे रहे हैं उनकी बेरहमी से डंडों और लातड़घूसों से पिटाई करना शुरू कर देते हैं। वीडियो देखने के बाद मन में यह सवाल उठता है कि महाराष्ट्र में अपनी राजनैतिक रोटियां सेंकने की कोशिश में जुटे राज ठाकरे मुंह के बल गिरने के बाद भी आखिर इस तरह की घृणा फैलाने की राजनीति से बाज क्यों नहीं आ रहे। मनसे की क्षेत्रीयतावाद और प्रांतीयतावाद की संकीर्ण राजनीति को मराठी जनता पहले ही नकार चुकी है। एक राजनीतिक दल के रूप मनसे की नीतियां खारिज हो चुकी हैं, लेकिन इसके बाद भी राज ठाकरे हमेशा राष्ट्रीय भावनाओं को आहत करने वाली गतिविधियों के केंद्र में बने रहना पसंद करते हैं। उन्हें लगता है कि अराजकता को आधार बनाकर ही अपना राजनीतिक मकसद पूरा कर सकते हैं। हमारे देश का संविधान किसी भी नागरिक को देश में कहीं भी बसने और रोजगार करने का अधिकार प्रदान करता है, लेकिन राज ठाकरे जैसे लोग संविधान की भी परवाह नहीं करते। उनकी मंशा सदैव यही रहती है कि मराठी मानुष की बात कर किस तरह से मराठियों में उत्तर भारतीय संस्कृति से विद्वेष की प्रवृत्ति पैदा की जाए। देखा जाए तो इस तरह का कोई भी प्रयत्न सांझी संस्कृति की विरासत और सामाजिक समरसता के लिए काफी खतरनाक हो सकता है। लोकतंत्र में चाहे वह राजनीतिक दल हो या कोई व्यक्ति सभी को आपनी मांगों के लिए शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करने और धरने पर बैठने का अधिकार है, लेकिन जब कोई प्रदर्शन और धरना हिंसक रूप ले और आराजक हो जाए तो इसे लोकतंत्र व संविधान पर एक तरह का प्रहार ही माना जाएगा। यह पहला मौका नहीं है जब मनसे ने उत्तर भारतीयों को निशाना बनाया है। एक दशक से वह और उनकी पार्टी उत्तर भारतीयों समेत अन्य पर-प्रांतीय लोगों के खिलाफ हमलावर हैं। यह हैरानी की बात है कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में भी उनकी पार्टी के लोग नफरत की राजनीति करते थे, क्षेत्रवाद को बढावा देते थे और जब चाहे आंदोलन के नाम पर उत्तर भारतीयों पीटते थे। महाराष्ट्र में अब भाजपा की सरकार है और राज ठाकरे राजनीतिक रूप से हाशिये पर भी हैं, लेकिन उनके तेवरों में कोई कमी नहीं आई है, क्योंकि वह और उनकी पार्टी शासन और प्रशासन से ज्यादा ताकतवर हैं।

दरअसल सरकार की ओर से उनके खिलाफ कोई कार्रवाई न किए जाने के कारण ही उनकी पार्टी के कार्यकताओं का मनोबल बढ़ा हुआ है और वे जब चाहते हैं उत्तर भारत के लोगों के साथ

आंदोलन के नाम पर मारपीट करने लगते हैं। जाहिर है कि जब तक इस तरह के मामलों को लेकर सरकार और प्रशासन का रवैया उदासीन रहेगा, उत्तर भारतीयों के साथ मारपीट की घटनाओं की पुनरावृत्ति होती रहेगी। इस संबंध में महाराष्ट्र की सरकारें किस कदर उदासीन रही हैं इसका अंदाजा इसी बात से हो जाता है कि वर्ष 2008 में उत्तर भारतीयों पर हो रहे हमलों के मद्देनजर कोई कार्रवाई न होने पर सर्वोच्च न्यायालय को खुद इसका संज्ञान लेकर महाराष्ट्र सरकार को नोटिस जारी करना पड़ा था। कुछ दिनों तक इसका असर भी देखने को मिला। राज ठाकरे उत्तर भारतीयों के खिलाफ नफरत फैलाने वाले बयानों से दूर रहे, लेकिन जैसे ही मामला ठंडा पड़ा एक बार फिर वह पुरानी राह पर चल पड़े हैं। उन्हें लगता है कि क्षेत्रीयता को बढ़ावा देकर वे अपना खोया राजनीतिक जनाधार दोबारा हासिल कर सकते हैं। यह उनकी हताशा को ही दर्शाता है कि इन दिनों वे महाराष्ट्र की हर समस्या और हादसे के लिए उत्तर भारतीयों को जिम्मेदार बता रहे हैं। हद तो तब हो गई जब उन्होंने गत दिवस मुंबई के एलफिंस्टन रेलवे स्टेशन पर फुटओवर ब्रिज हादसे के लिए भी दूसरे राज्यों से आए लोगों को उत्तरदायी बताकर राजनीति करने की कोशिश की। उनका कहना है कि बाहरी लोगों की वजह से मुंबई में भीड़ बढ़ी और जब दूसरे राज्यों से लोग मुंबई आते रहेंगे, हादसे होते रहेंगे। राज ठाकरे के मुताबिक दूसरे राज्यों के लोगों को मुंबई नहीं आना चाहिए। क्या मुंबई भारत का हिस्सा नहीं, राज ठाकरे की जागीर है। महाराष्ट्र के नवनिर्माण में उत्तर भारतीयों का भी खून पसीना लगा हुआ है, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता। यदि मराठियों के लिए दूसरे राज्य के नेता भी उनकी ही भाषा बोलने लगें तो स्थिति काफी भयावह हो जाएगी। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज ठाकरे की इस तरह की राजनीति पर अंकुश लगाने के लिए राजनीतिक, सामाजिक और सरकारी स्तर पर कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। इसके दीर्घकालिक नतीजे काफी खतरनाक हो सकते हैं। सही तो यह होगा कि राज ठाकरे और उनकी पार्टी इस बात को समझे कि ऐसी राजनीति से न तो

उत्तर कोरिया के परमाणु विस्फोट से भारी भूगर्भीय नुकसान

उत्तर कोरिया के परमाणु परीक्षण स्थल के नजदीक हाल के दिनों में भूकंप के लगातार झटके और भूस्खलन की कई घटनाएं सामने आई हैं। शुक्रवार को भी क्षेत्र में 2.7 की तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया।

भूकंप के ताजा झटके से यह आशंका बढ़ गई है कि तीन सितंबर को उत्तर कोरिया के परमाणु परीक्षण से इलाके के भूगर्भीय स्थिति को भारी नुकसान हुआ है। इससे गहराई में मौजूद प्लेट्स क्षतिग्रस्त हुई हैं और जब वे खुद को व्यवस्थित कर रही हैं तब भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं या भूस्खलन हो रहा है।

तीन सितंबर को उत्तर कोरिया ने जो परमाणु परीक्षण किया था उससे इलाके में 6.3 तीव्रता का भूकंप का झटका लगा था। उत्तर कोरिया ने दावा किया था कि उसने हाइड्रोजन बम का परीक्षण किया, जो परमाणु बम की तुलना में सौ गुना ज्यादा शक्तिशाली होता है। इस भूमिगत विस्फोट की ताकत को लेकर भी कई अनुमान सामने आ चुके हैं। इसे 60 किलोटन की क्षमता का भी माना गया है, जो जापान पर गिराए गए परमाणु बमों से 20

गुना ज्यादा शक्तिशाली था।

विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि यह विस्फोट दुनिया में हुआ सबसे शक्तिशाली कृत्रिम विस्फोट था। इसी के चलते उत्तर कोरिया के पुंगे-री परीक्षण स्थल की जमीन को भारी नुकसान हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार यह जमीन अब और परमाणु परीक्षण के लायक नहीं बची है।

बाप लगाता है फेरी, बेटे ने बना ली हेलो कटप्पा डाट कॉम

परिवार का पुश्तैनी धंधा गांव-गांव कपड़ों की फेरी लगाना था। इसी से रोजी-रोटी चलती थी। पर, उसे तो यह मंजूर नहीं था। वह नए जमाने का युवा था। उस दौर का, जिसके युवा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने की सोच रखते हैं। यही वजह है कि जिस परिवार का पुश्तैनी धंधा गांव-गांव फेरी लगाना था, उस घर के एक युवा ने हेलो कटप्पा डॉट कॉम के जरिये बिजनेस करने की ठान ली है। इसी के जरिये उसने युवाओं को रोजगार देने का सपना भी पाला है।

चलिए, छोटे से गांव के इस छोरे से आपका भी परिचय करवा देते हैं। इनका नाम है- संदीप शुक्ल। मझरेहटा ब्लॉक के पहाड़पुर गांव के रहने वाले हैं। पिछले दिनों संदीप उस वक्त सुर्खियों में आए, जब पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में चल रहे अंत्योदय मेले में उनकी वेबसाइट को लांच किया गया। दरअसल, अपनी वेबसाइट हेलो कटप्पा डॉट कॉम के जरिये वह लोगों को घर बैठे उनकी जरूरत का सामान उपलब्ध करवाना चाहते हैं। संदीप कहते हैं कि हमारे प्रधानमंत्री डिजिटल इंडिया की सोच रखते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कोर्ट में हंसा आसाराम, मीडिया से प्यार से बोला- चलो अच्छा हुआ निपटे

जोधपुर। नाबालिग छात्रा के यौन उत्पीड़न के आरोप में चार साल से जोधपुर जेल में बंद आसाराम का केस अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया है। सभी गवाह के बयान पूरे होने के बाद अब 23 अक्टूबर से अंतिम बहस होगी। बुधवार को सभी गवाह के बयान पूरे होने के बाद आसाराम बेहद प्रसन्न नजर आया। कोर्ट से बाहर निकलते समय भजन गाते हुए उसने कहा कि निर्दोष को भगवान न्याय दिलाएंगे। जैसा भी हो हमें न्याय पालिका पर पूरा भरोसा है। आसाराम प्रकरण में सभी गवाह के बयान पूरे होने के कारण केस अब अंतिम चरण में पहुंचने से आसाराम बहुत प्रसन्न नजर आया।

उसकी प्रसन्नता का राज यह माना जा रहा है कि सभी गवाह के बयान पूरे होने के बाद आसाराम को उम्मीद है कि उसे जमानत का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। कोर्ट से बाहर निकलते समय चहकते हुए उसने बताया कि निर्दोष को भगवान न्याय दिलाएंगे। जैसा भी हो हमें तो न्याय पालिका पर पूरा भरोसा है। साथ ही उसने कहा कि अभी तो कई बार कोर्ट आना पड़ेगा। सिर्फ फैसले के वक्त ही नहीं बल्कि बहस सुनने को भी कोर्ट आऊंगा। रिहा होने पर क्या फिर कभी जोधपुर आएंगे। इसके जवाब में उसने कहा कि जोधपुर में मेरा आश्रम है और भक्त भी हैं। ऐसे में यहां आना लगा रहेगा। अभी तो आना बाकी है। इसके बाद बढ़िया बापजी रेज्भजन गुनगुनाते हुए आगे बढ़ते हुए फिर बोला खुश तो क्या है, निपटे, हम तो चाहते थे कि निपटे। आज निपट गया। बड़ी चिन्ता है साढ़े आठ हजार गायों की। बेटे की मां भी बहुत बीमार है। मेरी भी हालत खराब है। निपटा तो अच्छी बात है।

सभी गवाह के बयान हुए पूरे अब होगी अंतिम बहस

एक सितम्बर 2013 से जोधपुर जेल में बंद आसाराम से जुड़े मामले की सुनवाई रोजाना की जा रही थी। लम्बी प्रक्रिया के बाद आखिरकार अब यह मामला अपने अंतिम पड़ाव की तरफ बढ़ गया है। इस मामले में बचाव पक्ष के सभी गवाह के बयान पूरे हो गए। बचाव पक्ष की ओर से कुल 31 गवाह के बयान कराए गए। वहीं अभियोजन की तरफ से 44 गवाह के बयान कराए गए। बयान पूरे होने के बाद अब इस मामले में अंतिम बहस 23 अक्टूबर के बाद शुरू होगी। अंतिम बहस के बाद कोर्ट अपना फैसला सुनाएगा। ऐसा माना जा रहा है कि दो माह के भीतर आसाराम से जुड़े इस मामले का फैसला आ जाएगा।

राहुल तो अमेठी तक का विकास नहीं कर पाए: योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गुजरात चुनाव कैम्पेन का पहला फेज शुक्रवार से शुरू हुआ। योगी बीजेपी के स्टार कैम्पेनर हैं और बीजेपी उनकी लोकप्रियता का विधानसभा चुनाव में फायदा लेना चाहती है। गुजरात के वलसाड़ जिले में योगी ने कहा कि राहुल गांधी तो अपने चुनाव क्षेत्र अमेठी तक का विकास नहीं कर पाए। कांग्रेस ने पैसे को विदेशों में भेजने का काम किया है। देश में विकास नरेंद्र मोदी की ही अगुआई में हो रहा है। योगी करेंगे कई जनसभाएं।

योगी इस यात्रा में कई जनसभाएं करेंगे। 13 अक्टूबर को योगी सूरत के चोरयासी विधानसभा के सचिन क्षेत्र में जनसभा करेंगे। रात को वे सूरत सर्किट हाउस में रुकेंगे। 14 अक्टूबर को योगी सूरत से भुज जाएंगे। वहां पर वह गुजरात

गौरव यात्रा में शामिल होंगे और जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इसके बाद वह कच्छ पहुंचेंगे। वहां से वह देर रात दिल्ली पहुंचेंगे। दिल्ली में रुकने के बाद सीएम रविवार को लखनऊ लौटेंगे। गुजरात के बिजनेसमैनों के साथ योगी की मीटिंग। सीएम गुजरात दौर के दौरान वहां के बिजनेसमैन और इन्वेस्टर्स से मिलेंगे और यूपी में निवेश के लिए न्योता देंगे। योगी सूरत में उत्तर भारतीय उद्योग परिसंघ के रिप्रेजेंटेटिव के साथ भी मीटिंग करेंगे। औद्योगिक विकास विभाग के प्रिंसिपल सेक्रेटरी आलोक सिन्हा और अन्य अफसर तैयारी के लिए गुजरात में हैं। औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना भी इसमें भाग लेंगे। महाना की अगुआई में कुछ दिन पहले अफसरों का एक दल गुजरात जाकर इन्वेस्टर्स को यूपी में इनवाइट कर चुका है। योगी 4 अक्टूबर को केरल में भी बीजेपी की जनरक्षा यात्रा में शामिल होने गए थे। केरल में ये यात्रा बीजेपी कार्यकताओं की हत्या और लगातार हमलों के विरोध में की गई थी। योगी बीजेपी के स्टार प्रचारक हैं और बतौर मुख्यमंत्री उनकी लोकप्रियता भी बहुत है। बीजेपी इसका फायदा आने वाले विधानसभा चुनाव में उठाना चाहती है। इसलिए जिस भी राज्य में चुनाव होने हैं, वहां उनका दौरा तय किया गया है।

गोलियों की तड़तड़ाहट से थर्रा उठा शीतलपुर बाजार

पटना। भू-माफिया सारण जिले के दरियापुर थाना क्षेत्र के शीतलपुर बाजार स्थित दुकानों को जेसीबी से जबरन तोड़ने करने पहुंचे जिसके बाद दुकानदारों और भू माफियाओं के बीच जमकर मारपीट हुई और ताबड़तोड़ गोलियां चलने लगीं जिससे दहशत फैल गई। भू माफिया जेसीबी लेकर सुबह साढ़े तीन बजे ही दुकानों को तोड़ने पहुंचे और कई दुकानों पर जेसीबी चलाकर ढहा दिया, उसके बाद जैसे ही लोगों को मामले का पता चला लोग विरोध करने पहुंचे और रोकने की कोशिश की तो दबंगो ने छह राउंड गोलियां चलायीं जिससे इलाके में दहशत फैल गई। फायरिंग से दुकान पर सोये दो लोग घायल हो गए हैं। घटना शुक्रवार सुबह की है। शीतलपुर बाजार के पास शिवकुमार यादव समेत अन्य लोगों की दूकानों को जेसीबी से जबरन तोड़ने का कार्य दबंगों और भू-माफियाओ ने शुरू कर दिया। विरोध करने पर दूकानों में लूट पाट की गयी और गोलीबारी कर भय और दहशत का माहौल उत्पन्न कर दिया गया। इस मामले में छतरपुर निवासी अशोक यादव तथा उसके सहयोगियों का हाथ होने की बात कही जा रही है। इस घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने छपरा-पटना एन एच 19 तथा शीतलपुर परसा-अमनौर मार्ग जाम कर दिया। जिससे यातायात बाधित हो गया है।

फेसबुक की मदद से युवती को मिला बाल विवाह से छुटकारा

नई दिल्ली। राजस्थान की एक युवा महिला ने कोर्ट में यह साबित कर दिया कि अपनी शादी के समय वह नाबालिग थी। महिला ने अपने पति के फेसबुक पेज से दस्तावेज हासिल कर कोर्ट में सौंपे थे। 19 साल की सुशीला बिश्नोई ने कोर्ट के समक्ष गुहार लगाई थी कि उसकी नाबालिग शादी को खत्म किया जाए।

लेकिन उसके पति ने इस बात से ही इनकार करते हुए कहा कि हमारी कभी शादी ही नहीं हुई। किशोरी को जब एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा सहायता प्रदान की गई तो उसने उसके पति के फेसबुक अकाउंट को खंगाला और इस बात का पता लगाने में कामयाब हो गई कि उनकी शादी तब हुई थी जब सुशीला नाबालिग थी।

सारथी ट्रस्ट की सामाजिक कार्यकर्ता कीर्ति भारती ने बताया, 'उसके (नाबालिग के पति) कई साथियों ने उसके फेसबुक पेज पर बधाई संदेश लिखे थे। कोर्ट ने सबूतों को स्वीकार किया और यह माना कि शादी अवैध थी।' इस जोड़े की शादी 2010 एक गुप्त वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान बाड़मेर में हुई थी और उस समय दोनों की उम्र 12 साल की थी।

जमीन के लिए भाई ने ही भाई को टुकड़ों में काट डाला

पटना। जिले के पहाड़पुर थानाक्षेत्र के मनकररिया गांव से सटे बलुआ सरेह में गुरुवार की रात दो सहोदर भाईयों के बीच भूमि विवाद को लेकर हुई मारपीट में एक भाई ने अपने पुत्रों के साथ मिलकर दूसरे भाई की हत्या कर दी। घटना के बाद गांव में कोहराम मचा है। विवाद पंद्रह साल पुराना था, इसी को लेकर एक भाई ने अपने पुत्रों के साथ मिलकर गांव के बाहर दूसरे भाई पर हमला बोल दिया और धारदार हथियार से वारकर उसे जख्मी कर भाग निकले।

इलाज के लिए मोतिहारी ले जाने के क्रम में भाई के हमले में घायल भाई ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामले में एक को गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि मनकररिया निवासी रमाकांत सिंह और श्रीकांत सिंह के बीच पिछले पंद्रह साल से जमीन का विवाद चल रहा था। इस बीच शुक्रवार की रात श्रीकांत सिंह गांव से सटे बलुआ

सरेह से अपने खेतों को देखकर लौट रहे थे। इसी बीच उनके भाई रमाकांत सिंह ने अपने पुत्र कुणाल सिंह, रंजन सिंह व एक अन्य श्यामाकांत सिंह के साथ मिलकर उन्हें घेर लिया। घेरने के साथ सभी मिलकर उनपर वार करने लगे। इस दौरान धारदार हथियार से श्रीकांत के पैर को काट दिया और शरीर के कई हिस्सों को चोट पहुंचाई। जख्मी श्रीकांत सिंह को सरेह में ही छोड़कर सभी भाग गए। इस बीच सरेह गुजरे एक राहगीर ने घटना की सूचना गांव में जाकर दी। सूचना मिलने के साथ श्रीकांत के परिजन व ग्रामीण मौके पर पहुंचे। आनन-फानन में उन्हें पहाड़पुर पीएचसी में भर्ती कराया गया। यहां से चिकित्सक ने जख्मी को गंभीर स्थिति में मोतिहारी के लिए रेफर किया। मोतिहारी आने के साथ चिकित्सक ने श्रीकांत को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। इस सिलसिले में श्रीकांत की पत्नी रमावती देवी ने पुलिस को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी है और उपरोक्त चार लोगों को नामजद करते हुए उनपर अपने पति की हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रमाकांत सिंह को बेतिया स्थित सदर अस्पताल से गिरफ्तार कर लिया है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पूरा साल बर्फ से ढका रहता है यह शहर

कई लोगों को घूमने का बहुत शौंक होता है। वे अक्सर ऐसी जगहों पर जाना पसंद करते हैं जहां उन्हें बर्फ देखने को मिले। ज्यादातर भारतीय लोग स्नो फॉल देखना पसंद करते हैं और इसके लिए वे हिमाचल प्रदेश जाते हैं जहां साल के 1-2 महीनें बर्फ पड़ती है। कभी-कभी बर्फ पड़ती देखना अच्छा लगता है लेकिन जब सारा साल ही बर्फ पड़े तो इससे वहां रहने वाले लोगों के लिए परेशानी पैदा हो जाती है। आज हम आपको ऐसी ही एक जगह के बारे में बताएंगे जहां सारा साल बर्फ पड़ती है और यहां हर एक चीज बर्फ से ही बनाई गई है। आइए जानिए इस जगह के बारे में

☞ चीन देश के हार्बिन शहर में पूरा साल बर्फ पड़ती है। यहां जनवरी के महीने में एक फैस्टीवल भी मनाया जाता है जिसमें पूरे शहर को बर्फ से सजाया जाता है।

☞ इस फैस्टीवल में हिस्सा लेने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं और बर्फ के बड़े-बड़े ढांचे बनाते हैं।

☞ यह फैस्टीवल करीब 1 महीने तक चलता है और लोग इसमें खूब बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हैं।

☞ वैसे तो यहां सारा साल ही बर्फ पड़ती है लेकिन सर्दियों में यहां का तापमान -17 डिग्री तक चला जाता है लेकिन घूमने के शौकिन लोग यहां का नजारा लेने आते हैं।

यहां नालियों में बह रहा है सोना-चांदी

सोना-चांदी को लोग लॉकर या तिजोरी में रखते हैं लेकिन एक देश ऐसा भी है जहां की नालियों में सोना बहता है। दुनिया के सबसे संपन्न देशों में शुमार स्विटजरलैंड के सीवर या नाली में हर साल करोड़ों रुपये का सोना बहा दिया जाता है। इस बात का खुलासा हाल ही में एक रिपोर्ट में किया गया। शोधकताओं ने नालियों में कूड़ा-कचरा निकाल जब उसका बारीकी से अध्ययन किया तो वे हैरान रह गए। इस कीचड़ में सोने-चांदी बारीक टुकड़े पाए गए। इनको जब इकट्ठा किया तो करबी 3000 किग्रा चांदी और 43 किलो सोना निकलकर आया। जिसकी कीमत लगभग 20 करोड़ रुपये आंकी गई।

कीमती धातु कैसे पहुंची नाली में

रिसर्च में यह बात सामने आई कि, यह सोना-चांदी केमिकल फैक्ट्रियों व घड़ी बनाने वाली कंपनियों से निकलने वाले कूड़े में रहा होगा। क्योंकि इन कंपनियों में जिन रासायनिक तत्वों का इस्तेमाल होता है और उनकी प्रोसेसिंग की जाती है, उसमें बड़ी मात्रा में सोने-चांदी जैसी धातुएं इस्तेमाल होती हैं।

ये कंपनियां उत्पादों के निर्माण और प्रक्रिया में पीली धातु का ज्यादा उपयोग करती हैं।

सोना खोजने वाली एजेंसी

यह खुलासा 'स्विस फेडरल ऑफिस फॉर एनवॉयरमेंट' की एक स्टडी से हुआ है। इस एजेंसी ने देश भर के 64 वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स का सर्वे किया। कुछ इलाकों के ट्रीटमेंट प्लांट्स में सोने की मात्रा ज्यादा रही तो कहीं कम। दक्षिणी स्विटजरलैंड जहां काफी संख्या में गोल्ड रिफाइनरीज हैं, वहां के सीवरों में सोना ज्यादा मात्रा में बरामद हुआ।

मुंबई हलचल राशिफल
-आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष: विरोधी सक्रिय रहेंगे। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। भागदौड़ रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। धैर्य रखें।

वृष: कम मेहनत से लाभ अधिक होगा। मान-सम्मान मिलेगा। पराक्रम वृद्धि होगी। भागदौड़ रहेगी। परिवार की चिंता रहेगी।

मिथुन: शुभ समाचार मिलेंगे। स्वाभिमान बना रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद से बचें।

कर्क: उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

सिंह: कष्ट, भय व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। व्ययवृद्धि होगी। कुसंगति से बचें। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कन्या: योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। यात्रा सफल रहेगी। जल्दबाजी से बचें। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला: आर्थिक उन्नति के लिए योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। वस्तुएं संभालकर रखें।

वृश्चिक: कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बाधा संभव है।

धनु: पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों का प्रयोग न करें।

मकर: चिंता तथा तनाव रहेंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। लाभ होगा।

कुंभ: शत्रु परास्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। रोजगार मिल सकता है। धनलाभ होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन: शोक समाचार मिल सकता है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा।

पागलों की तरह 11 घंटे मिट्टी खोदती रही हथिनी, पास जाने पर रो पड़े लोग

रात के समय अपने बच्चे के साथ जंगल पार करती एक हथिनी उस समय परेशान हो गई, जब उसका छोटा सा बच्चा रास्ते में बने एक गड्ढे में गिर गया। इस मां ने अपने बच्चे को बाहर निकालने के लिए काफी संघर्ष किया। लगातार बिना रुके उसने 11 घंटे तक गड्ढा खोदा। घबराहट में हथिनी अपने बच्चे के ऊपर और मिट्टी डालती जा रही थी, लेकिन उसने हार नहीं मानी। उसने रात से लेकर सुबह तक मिट्टी खोदना जारी रखा। सिर्फ अपने बच्चे को बचाने के लिए उसने इतना संघर्ष किया। लेकिन सुबह तक वो काफी थक गई थी और रोने लगी। उसके रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोग

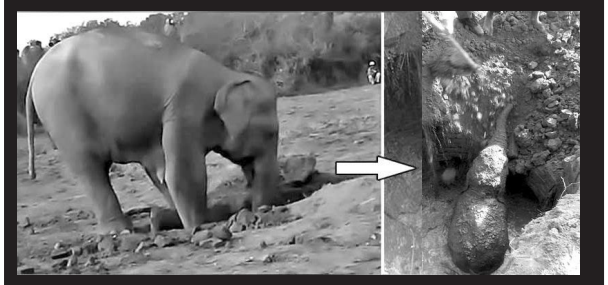

वहां पहुंच गए। पहले तो वो समझ ही नहीं पाए कि हथिनी रो क्यों रही है? लेकिन जब कुछ गांव वाले हिम्मत कर उसके पास गए, तो उन्होंने देखा कि मां अपने बच्चे को गड्ढे से निकालने के लिए परेशान है। मां की परेशानी देख गांववालों भी इमोशनल हो गए थे।

गांव वालों ने यूं की मदद

जब गांव वालों ने परेशान हथिनी को देखा, तो उन्होंने उसकी मदद करनी चाही। उन्होंने हथिनी का ध्यान केले देकर बटाया। जब खाने के लिए वो वहां से हटी, तो उन्होंने बच्चे को बाहर निकाल लिया। अपने बच्चे को सुरक्षित देख हथिनी उसके पास पहुंच गई और जंगल में चली गई।

बचपन में झील में उठते दिखे थे बुलबुले, 50 साल बाद अंदर से निकाली ये चीज

बच्चे ने बचपन में एस्टोनिया के कुर्तना मटास्जर्व झील के बीचोंबीच बुलबुले निकलते देखे थे। इस घटना ने उसके जेहन में गहरी छाप छोड़ी थी। हालांकि, वो समझ नहीं पाया था कि वहां क्या है। लेकिन इसके 50 साल बाद, उसे ये घटना याद आई और उसने अपने सोशल अकाउंट पर इसका जिक्र किया। उसकी कहानी ने कुछ वॉर हिस्ट्री में इन्ट्रेस्ट रखने वालों का ध्यान खींचा। इन्वेस्टिगेशन टीम के साथ ये शख्स दुबारा उसी झील के पास पहुंचा। करीब आठ घंटे के बाद झील के अंदर से

कुछ ऐसा निकाला गया, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। झील के अंदर सेकंड वर्ल्ड वॉर का एक लड़ाकू टैंक डूबा हुआ था। अगर इस शख्स ने अपने बचपन की उस याद को भुला दिया होता, तो इसे कभी खोजा नहीं जा सकता था।

इतनी तैयारी के साथ पहुंची थी टीम

इन्वेस्टिगेशन के लिए पहुंची टीम पूरी तैयारी के साथ वहां पहुंची थी। उन्होंने स्टील केबल्स को झील के तीन मीटर नीचे तक डाला था। टीम एक बुल्डोजर भी लेकर आई थी। अब टीम को डर इस बात का था कि इतनी तैयारी के बाद अगर झील से कुछ नहीं निकला तो क्या होगा?

कीचड़ से सना टैंक आया बाहर

टीम ने सुबह के 9 बजे से ही पानी में खोज शुरू कर दी। आठ घंटे तक उनके हाथ कुछ भी नहीं लगा। टीम का उत्साह कम पड़ता जा रहा था। लेकिन तभी उन्हें महसूस हुआ कि उनकी मेहनत बेकार नहीं गई। कीचड़ से सनी एक भारी चीज जब बाहर निकली तो टीम की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। जल्द ही उन्हें अहसास हुआ कि ये वर्ल्ड वॉर 2 में इस्तेमाल हुआ एक लड़ाकू टैंक है।

तब भी काम कर रहा था इंजन

ये लड़ाकू टैंक रूस में बना था और इसे जर्मन आर्मी द्वारा यूज किया गया था। इसका वजन 30 टन से ज्यादा था। जब इसे बाहर निकालकर चेक किया गया तो टीम ने पाया कि इसके इंजन अभी भी काम कर रहे थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कान दर्द व एसिडिटी में फायदेमंद है गाय का घी

देसी घी का इस्तेमाल हर घर में किया जाता है। इससे खाने का स्वाद दोगुना हो जाता है और यह सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है लेकिन देसी घी की बजाए गाय के घी में ज्यादा गुण होते हैं। इसमें काफी मात्रा में वैक्सिन एसिड, ब्यूट्रिक एसिड और बीटा कैरोटीन पाया जाता है जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से लड़ने में शरीर की मदद करता है। गाय के घी का इस्तेमाल बहुत कम लोग ही अपने घर में करते होंगे लेकिन इसके फायदे जानकर आप सब आज से ही इसे अपने घर में ले आएंगे।

आइए जानिए गाय के घी के फायदे

1. कान का दर्द

कान का पर्दा खराब होने पर काफी तेज दर्द होता है और सुनने की शक्ति भी कमजोर हो जाती है। कान के पर्दे का इलाज करवाने के लिए लोग ऑपरेशन करवाते हैं लेकिन गाय के घी से भी कान के पर्दे को ठीक किया जा सकता है। इसके लिए घी की कुछ बूंदे नाक में डालने से फायदा होगा।

2. हाथ-पैर में जलन

हाथों-पैरों में जलन होने पर काफी परेशानी होती है। ऐसे में गाय के घी से पैरों के तलवों की मालिश करें जिससे हाथ-पैर की जलन ठीक हो जाएगी।

3. हिचकी

कई बार हिचकी काफी समय तक लगी रहती है जिससे बहुत परेशानी झेलनी पड़ती है। ऐसे में आधा चम्मच गाय का घी खा लें जिससे तुरंत हिचकी बंद हो जाएगी।

4. बालों का झड़ना

बालों का झड़ना आजकल आम समस्या है। बहुत-सी महिलाएं इस वजह से परेशान रहती हैं। ऐसे में बालों को झड़ने से रोकने के लिए गाय के घी की कुछ बूंदे नाम में डालें।

5. एसिडिटी

जिन लोगों को एसिडिटी की समस्या होती है उन्हें हर रोज गाय के घी का सेवन करना चाहिए। इससे एसिडिटी के साथ कब्ज की समस्या भी दूर होगी।

रोजाना खाएं 2 चम्मच खसखस और फिर देखें कमाल

आजकल बदलते लाइफस्टाइल के कारण लोगों को कई तरह की बीमारियां हो जाती है लेकिन इन बीमारियों को दूर करने के लिए दवाइयों का सेवन ठीक नहीं। इसकी बजाएं रोजाना दो चम्मच खसखस का सेवन करें। इससे आपकी कई बीमारियां दूर भी होगी और आपको कोई नुकसान भी नहीं होगा। आइए जानते है रोजाना 2 चम्मच खसखस खाने से क्या फायदे होते है।

1. कब्ज

फाइबर की मात्रा से भरपूर खसखस को रोजाना खाने से आपकी पाचन संबंधी हर सभी समस्यां दूर हो जाएगी। इसके अलावा इससे डाइजेशन सिस्टम भी इम्प्रूव होता है।

2. ब्लड प्रेशर

ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए यह आयुर्वेदिक औषधी की तरह काम करती है। रोजाना इसका सेवन ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने के साथ-साथ बीपी की समस्यां को भी दूर करता है।

3. अनिद्रा

रात को सोने से पहले दूध के साथ इसका सेवन करने से नींद न आने की समस्यां दूर हो जाती है।

4. किडनी स्टोन

खसखस में मौजूद ओक्सलेट्स शरीर से अतिरिक्त कैल्शियम को अवशोषित करके किडनी में पथरी को बनने से रोकता है।

5. हार्ट प्रॉबलम

कोलेस्ट्रॉल फ्री खसखस आपको हार्ट प्रॉब्लम और एनीमिया से बचाने के साथ-साथ शरीर में खून की कमी को भी पूरा करता है।

आपकी भी दांतों पर फैल जाती है लिपस्टिक तो ट्राई करें ये टिप्स

लिपस्टिक लगाने से चेहरे की खूबसूरती को चार चांद लग जाते हैं। आजकल ज्यादातर लड़कियां लाल रंग की लिपस्टिक लगाना पसंद करती हैं लेकिन कई बार उनकी लिपस्टिक दांतों पर लग जाती हैं जिससे उन्हें शर्मिंदगी का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में लिपस्टिक लगाने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए जिससे लिपस्टिक दांतों पर नहीं

लगेगी। आइए जानिए ऐसे ही कुछ टिप्स के बारे में

पैट्रोलियम जैली लगाएं

लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों पर थोड़ी-सी पैट्रोलियम जैली लगा लें जिससे लिपस्टिक फैल कर दांतों पर नहीं लगेगी।

होंठों को रगड़ें

चिकने होंठों पर लिपस्टिक बहुत जल्दी फैलने लगती है। ऐसे में लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों को अच्छी तरह रगड़ लें जिससे वह दांतों पर नहीं लगेगी।

लिप ब्रश का इस्तेमाल

हमेशा लिप ब्रश की मदद से ही लिपस्टिक लगाएं जिससे वह एक दम सही तरीके से होंठों पर लगेगी और बाहर भी नहीं फैलेगी।

मैट लिपस्टिक लगाएं

मार्किट में लिपस्टिक की कई क्वालिटी मौजूद हैं। ऐसे में अगर आपकी लिपस्टिक फैल जाती है तो हमेशा मैट लिपस्टिक का इस्तेमाल करें। यह दांतों पर नहीं लगती और लंबे समय तक होंठों पर लगी रहती है।

टिशू पेपर का इस्तेमाल

लिपस्टिक लगाने के बाद हमेशा एक टिशू पेपर को फोल्ड करके होंठों के बीच में दबाएं जिससे एक्सट्रा लिपस्टिक निकल जाएगी और दांतों पर नहीं लगेगी।

लिप लाइनर लगाएं

हमेशा लिपस्टिक लगाने से पहले लिपलाइनर का इस्तेमाल करें। इससे लिपस्टिक होंठों से बाहर नहीं निकलेगी और दांतों पर लगने का खतरा नहीं रहेगा।

सीने में जलन हो रही है तो खाएं बेकिंग सोडा

बदलते लाइफस्टाइल में हम लोग स्वास्थ्यवर्धक खाने से ज्यादा उसके स्वाद पर ज्यादा ध्यान देते है, जिस वजह से से सीने में जलन की समस्या रहती है। सीने में जलन के कई कारण हो सकते है जैसे ज्यादा मसालेदार चीजें, तीखी मिर्ची अन्य आदि। सीन की जलन से बचने के लिए लोग दवाइयों का सहारा तो लेते है लेकिन इनका ज्यादा कोई असर दिखाई नहीं देता है। ऐसे में आज हम आपको कुछ घरेलू नुस्खे बताएंगे, जिनको इस्तेमाल करने से सीने की जलन हाथों-हाथ गायब हो जाएगी।

भरपूर पानी पिएं

कई बार शरीर में पानी की कमी होने से सीने में जलन की शिकायत रहती है। इसलिए सुबह उठते ही 3-4 गिलास पानी पीएं।

च्यूंगम चबाएं

च्यूंगम चबाने से भी सीने की जलन दूर होती है। दरअसल जब आप च्यूंगम चबाते है तो मुंह में लार बनने लगती है। यहीं लार जब आहार नली से पेट की तरफ जाती है तो सीने की जलन शांत हो जाती है।

बेकिंग सोडा खाएं

एक गिलास पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं। फिर इसे पीएं। इससे सीने की जलन कम होगी।

सौंफ खाएं

रोजाना खाने के बाद 1-2 चम्मच सौंफ का सेवन करें। इससे खाना अच्छे से पचेगा और सीने की जलन भी नहीं होगी।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

फीफा अंडर 17 वर्ल्डकप

घाना के हाथों हार के साथ भारत का सफर हुआ खत्म

नई दिल्ली। कोलंबिया के खिलाफ पिछले मैच में कुछ अच्छा प्रदर्शन करके उम्मीद जगाने वाली भारतीय टीम गुरूवार यहां घाना के कप्तान एरिक अयाह और उनके दमदार साथियों के सामने पस्त नजर आयी। अफ्रीकी टीम ने एकतरफा मुकाबले में 4-0 से जीत दर्ज करके फीफा अंडर-17 विश्व कप के प्री क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित की। इसके साथ ही पहली बार फीफा में खेलने उतरी भारतीय अंडर-17 टीम का अंतिम 16 में पहुंचने का सपना चूर हो गया। घाना की तरफ से एरिक अयाह (43वें और 52वें मिनट) ने दो जबकि स्थानापन्न रिकार्डो डान्सो (86वें) और इमानुअल टोकु (87वें मिनट) ने एक-एक गोल दागा। मैच के बाद भारतीय खिलाड़ियों विशेषकर धीरज सिंह की आंखों में आंसू थे जिन्होंने मैच में कुछ अच्छे बचाव किये। भारत तीनों मैच हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया। भारत को लगातार तीसरे मैच में हार का सामना करना पड़ा। पिछले मैच में कोलंबिया के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के बाद भारत से उम्मीद बंध गयी थी लेकिन दो बार का चैंपियन घाना उससे खेल के हर क्षेत्र में अव्वल साबित हुआ। घाना ने इस जीत से तीन मैचों में छह अंक के साथ ग्रुप ए में पहले स्थान पर रहकर अंतिम सोलह में पहुंचा।

कोलंबिया और अमेरिका के भी छह-छह अंक रहे लेकिन गोल अंतर में वे क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर खिसक गये। घाना के खिलाड़ी कद काठी में काफी मजबूत थे लेकिन भारतीयों ने फुर्ती और कौशल के मामले में उन्हें शुरू में बराबर की टक्कर दी। खेल आगे बढ़ने के साथ हालांकि अंतर साफ नजर आने लगा और अफ्रीकी टीम का दबदबा बढ़ता गया। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में मौजूद 52,614 दर्शकों में से अधिकतर ने हर पल भारतीयों का उत्साह बनाये रखा लेकिन दर्शकों का जोश मैदान का अंतर नहीं पाट पाया।

न्यू कैलेडोनिया के खिलाफ नॉकआउट में जगह बनाने उतरेगा जापान

कोलकाता। जापान फीफा अंडर-17 विश्व कप के ग्रुप ई के मैच में आज यहां न्यू कैलेडोनिया के खिलाफ जीत दर्ज कर नॉकआउट दौर में पहुंचने के इरादे से मैदान पर उतरेगा। जापान को पिछले मैच में फ्रांस के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। इससे पहले जापान ने अपने पहले मैच में होंडुरास के खिलाफ 6-1 की शानदार जीत दर्ज की थी जिसमें उनके स्ट्राइकर कीएटो नाकामुरा की हैट्रिक भी शामिल हैं। न्यू कैलेडोनिया की टीम टूर्नामेंट के दो मैचों में अब तक 12 गोल खा चुकी हैं जिसमें फ्रांस के खिलाफ साथ दो आत्मघाती गोल भी शामिल है।

फ्रांस के खिलाफ को न्यू कैलेडोनिया को 7-1 से शिकस्त झेलनी पड़ी थी। टीम की ओर से एकमात्र गोल सिद्रि वाडेंगेस ने किया। होंडुरास के खिलाफ भी टीम कुछ खास नहीं कर सकी और 5-0 से करारी हार झेलनी पड़ी। टीम के गोलकीपर उने केसिने ने कहा, अब इस मैच के साथ काफी रोमांच है। हम कड़ी मेहनत करने वाले है और आखिरी मैच में हम काफी मेहनत करेंगे। आठ बार विश्वकप मे हिस्सा लेने वाली जापान पहली बार खेल रही न्यू कैलेडोनिया के खिलाफ अपने स्टार खिलाडियों को विश्राम दे सकता है। यह मैच शाम पांच बजे खेला जायेगा।

खेलों में युवाओं को निखारने के लिए पूर्व खिलाड़ियों की मदद लेगी सरकार : राठौड़

जयपुर। केन्द्रीय युवा एवं खेल राज्य मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने आज कहा कि ओलंपिक के लिए दमदार खिलाड़ियों की खोज में सभी पूर्व खिलाडियों की मदद ली जाएगी और इनमें वे खिलाड़ी भी शामिल हैं जो अभी गुमनामी में जिंदगी जी रहे हैं। राठौड़ ने कहा, सरकार युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने के लिए किसी अन्य काम में व्यस्त पूर्व के पदक विजेताओं का सहयोग लेने पर विचार कर रही है। सरकार युवाओं को खेलों के प्रति आर्किषत करने और खेलों को बढावा देने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर प्रशिक्षण देने वाले खिलाडियों, स्वंयसेवी संगठनों का भी सहयोग लेने से नहीं हिचकेगी। खेल मंत्रालय ऐसे खिलाड़ियों,एनजीओ, निजी खेल संस्थानों को मदद देगा। खेल मंत्री ने इस अवसर पर ओलम्पिक के लिए दमदार खिलाड़ियों की खोज के लिये दिसंबर और जनवरी में नयी दिल्ली में खेलो इंडिया स्कूल खेल और खेलो इंडिया कालेज खेल के आयोजन की घोषणा की।

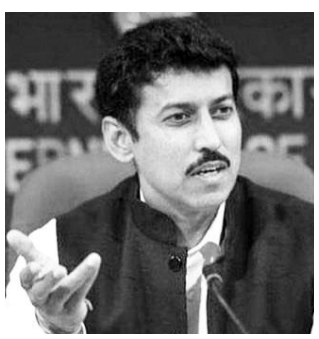

इनका आयोजन हर साल किया जाएगा। उन्होंने कहा, स्कूल और कालेज स्तर पर खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों को सामने लाने के लिए खेलो इंडिया स्कूल खेल और खेलो इंडिया कालेज खेल कराये जाने का निर्णय लिया है। कई खिलाडी स्कूल और कालेज स्तर पर बढिया खेलते हैं लेकिन किसी वजह से प्रदेश या राष्ट्रीय स्तर पर नहीं पहुंच पाते या अन्य कारणों की वजह से टीम में आने से वंचित रह जाते हैं। उन खिलाडियों को सामने लाने के लिए यह आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। राठौड़ ने कहा कि शुरूआत में दोनों वर्ग के खेलों में ओलंपिक खेलों में शामिल हाकी, फुटबॉल समेत 16 खेलों को शामिल किया जायेगा और अधिकतर खेलों का चैनल पर प्रसारण होगा जबकि कुछ खेलों का वीडियो तैयार करके अगले दिन प्रसारण किया जायेगा।

रैना बोले-कुंबले की वजह से टीम इंडिया को मिला है

चाइनामैन कुलदीप

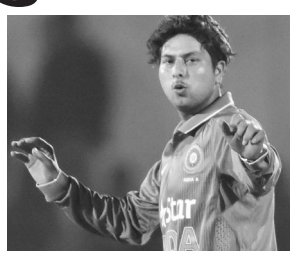

मुंबई। टीम इंडिया से बाहर चले रहे स्टार बल्लेबाज सुरेश रैना ने इंटरनेशनल क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले कुलदीप यादव की जमकर तारीफ की है। कुलदीप यादव ने क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट्स में अच्छा प्रदर्शन किया है, जिसके कारण वो टीम इंडिया का अहम हिस्सा बन गए हैं। कुलदीप यादव के बढ़िया प्रदर्शन की तारीफ करते हुए सुरेश रैना ने कहा, 'कुलदीप के प्रदर्शन का श्रेय टीम के पूर्व हेड कोच अनिल कुंबले को जाता है। कुलदीप बहुत अच्छा कर रहा है और इसका श्रेय अनिल भाई को जाता है, उन्होंने कुलदीप पर काफी मेहनत की।' रैना ने कहा, मैं कुलदीप से आईपीएल के समय बात कर रहा था और वह हमेशा कुंबले को मैसेज भेजता था। कुंबले ने उस पर काफी मेहनत की है। साथ ही कुलदीप ने ऑस्ट्रेलिया के चाइनामैन गेंदबाज ब्रैड हॉग से भी काफी कुछ सीखा है। रैना ने कहा, 'कुलदीप ऐसे खिलाड़ी हैं जो गेंदबाजी विभाग में काफी बदलाव करेंगे। कानपुर के रहने वाले इस 22 वर्षीय गेंदबाज ने अपने पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने के बाद वनडे में भारत के लिए हैट्रिक लेने का भी कारनामा किया है। आपको बता दें कि हाल ही में हुए यो-यो फिटनेस टेस्ट में सुरेश रैना फेल हो गए हैं। बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट अकादमी में रैना इस टेस्ट को पास करने में नाकाम रहे हैं। रैना से जब यो-यो टेस्ट में विफल होने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, इस बारे में आप बीसीसीआई से बात करिए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सरफरोश के सीक्वल में काम करना पसंद करूंगा : आमिर खान

बॉलीवुज एक्टर आमिर खान का कहना है कि वह फिल्म सरफरोश के सीक्वल में एक बार फिर अपने दमदार किरदार को निभाना चाहते हैं। वर्ष 1999 में निर्देशक जॉन मैथ्यू मैथन की फिल्म में आमिर ने सीमा-पार आतंकवाद पर लगाम कसने वाले पुलिस अधिकारी अजय सिंह राठौड़ का किरदार निभाया था। फिल्म को समीक्षकों की काफी सराहना मिली थी। खबरें हैं कि मैथन फिल्म के सीक्वल की तैयारी में जुटे हैं।

कल रात 19वें मुंबई फिल्म फेस्टिवल के मौके पर आमिर ने पत्रकारों से कहा कि मैं एक बार फिर एसीपी राठौड़ का किरदार निभाना पसंद करूंगा। बिजी होने के कारण वह फेस्टिवल में कोई फिल्म नहीं देख पाए। आमिर यहां फिल्म सीक्रेट सुपरस्टार में उनकी को-स्टार जायरा वसीम के साथ पहुंचे थे।

'बिग बॉस 11': के घर जाने से पहले 'अक्षरा' ने कम किया अपना वजन

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' फेम अक्षरा यानी हिना खान 'बिग बॉस 11' में बतौर कंटेस्टेंट नजर आ रही हैं। लेकिन शो में जाने से पहले उन्होंने काफी मेहनत की है। दरअसल, इस शो में जाने के लिए हिना ने 7 किलो वजन कम किया है। खबर के मुताबिक, 'खतरों के खिलाड़ी' से बाहर आने के बाद हिना ने जिम ज्वाइन किया था और कड़ी मेहनत कर अपना वजन घटाया। गौरतलब है कि 'ये रिश्ता...' के दौरान हमेशा साड़ी में नजर आईं हिना को 'बिग बॉस' में वेस्टर्न आउटफिट में देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि शो के लिए ये आउटफिट एंट्री से पहले हिना ने पर्सनली चूज किए हैं। हिना का यह दूसरा रियलिटी शो है। इससे पहले वह रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 8' में नजर आई, जिसकी वे फर्स्ट रनरअप रही थीं। वैसे, उन्होंने 'परफेक्ट ब्राइड', 'मास्टरशेफ- किचन के सुपरस्टार्स' और 'इंडिया बनेगा मंच' जैसे रियलिटी शोज में भी देखा जा चुका है। लेकिन इनमें सिर्फ उनका स्पेशल अपीयरेंस था।

शाहरुख हैं कल्कि के पसंदीदा खान

बॉलीवुड एक्ट्रैस कल्कि कोचलीन ने शाहरुख खान को अपने बचपन का क्रश बताया है। बॉलीवुड के तीनों खानों में से किस के साथ काम करना चाहती हैं, यह पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैं तीनों खानों के साथ काम करना चाहती हूं, लेकिन अगर आप मेरे पसंदीदा खान के बारे में पूछें, तो वो शाहरुख हैं। आगे उन्होंने कहा, शाहरुख बचपन से मेरा क्रश हैं। मैं असल जिंदगी में भी उनसे कई बार मिल चुकी हूं। वो काफी आकर्षक हैं। नए कलाकारों में वो रणबीर कपूर को बेहतरीन मानती हैं।

रणबीर-आलिया की ब्रह्मास्त्र का पहला पार्ट 2019 में होगा रिलीज

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट अभिनीत ब्रह्मास्त्र तीन पार्ट में रिलीज होगी और सीरिज का पहला पार्ट 15 अगस्त 019 को बड़े पर्दे रिलीज होगा। फिल्म में मेगास्टार अमिताभ बच्चन भी नजर आएंगे। निर्देशक अयान मुखर्जी की , रहस्य, रोमांच एवं फंतासी पर आधारित इस श्रृंखला का निर्माण करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के तहत होगा। फिल्म में रणबीर कपूर ऐसा किरदार निभाएंगे जिसके पास कुछ विशेष शक्तियां होंगी। अयान ने कहा कि इस फिल्म के लिए उनके दोस्त एवं अभिनेता रणबीर को घुड़सवारी और जिमनास्टिक सीखना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि फिल्म में काफी एक्शन है इसलिए बहुत प्रशिक्षण लेना होगा.. जैसे जिमनास्टिक, घुड़सवारी, फाइटिंग और रणबीर को खासी शारीरिक मेहनत करनी होगी ताकि किरदार को वास्तविक रूप दिया जा सके। अयान ने कहा, रणबीर को फिल्म की रूप रेखा समझनी होगी और उसे दर्शकों तक पहुंचाना होगा। हम उन चीजों, उस फंतासी दुनिया की कल्पना करने की कोशिश कर रहे हैं और उसी के हिसाब से काम करेंगे। फिल्म की शूटिंग अगले साल के शुरू में आरंभ होगी।